सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

दिल समंदर जैसा रखना साहब, देखना नदियाँ खुद ही मिलने आयेगी।"

वर्ष 01, अंक 177, नई दिल्ली

शनिवार, 09 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

G-20: रेलवे और मेट्रो पुलिस भी चाक चौबंद, स्टेशनों पर CCTV कैमरों से रखी जा रही नजर

संजय बाटला, संपादक

आयोजन स्थल के सबसे करीब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। विदेशी मेहमानों का काफिला तिलक ब्रिज, भैरों रोड रेलवे ब्रिज, रिंग रोड रेलवे ब्रिज, सरदार पटेल मार्ग ब्रिज और अफ्रीका एवेन्यू ओवर ब्रिज से होकर गुजरेगा।

नई दिल्ली। जी-20 सम्मेलन की सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे व मेट्रो पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रगति मैदान के आसपास के स्टेशनों पर खासी चौकसी बरती जा रही है। जिन रेलवे ब्रिज के नीचे से विदेशी मेहमानों का काफिला गुजरेगा, वहां विशेष तौर पर निगरानी रखी जा रही है। आयोजन स्थल के आसपास के स्टेशनों पर किसी भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति नहीं है।

पुलिस के अनुसार, सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों का 8 सितंबर से दिल्ली आना शुरू हो जाएगा। इसे लेकर दिल्ली पुलिस के अलावा सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त रूप से राजधानी के सात रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा की कमान संभाल ली है। आयोजन स्थल के सबसे करीब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। विदेशी मेहमानों का काफिला तिलक ब्रिज, भैरों रोड रेलवे ब्रिज, रिंग रोड रेलवे ब्रिज, सरदार पटेल मार्ग ब्रिज और अफ्रीका एवेन्यू ओवर ब्रिज से होकर गुजरेगा।

इन जगहों पर अत्याधुनिक हथियार से लैस जवान तैनात किए गए हैं। आयोजन स्थल के आसपास से गुजरने वाली रेलवे पटरियों के पास भी जवानों को तैनात किया गया है जो लगातार गश्त कर रहे हैं। स्टेशनों के पास अंधेरे में रहने वाली जगहों पर लाइट लगाई गईं हैं। साथ ही, निगरानी के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर करीब 75 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनकी कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है।

मेट्रो रूट की सीसीटीवी से निगरानी

प्रगति मैदान के आसपास के मेट्रो स्टेशनों पर मेट्रो पुलिस के साथ-साथ सीआईएसएफ और अर्धसैनिक बल के जवान तैनात हैं। आयोजन के दौरान मेट्रो सेवा जारी रहेगी। मेट्रो के पूरे रूट पर लगे सीसीटीवी को बारीकी से निगरानी की जा रही है। पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान यात्रा के दौरान मेट्रो में भी गश्त करेंगे और संदिग्धों की निगरानी करेंगे।

पार्किंग में नहीं रहेंगे वाहन

सम्मेलन के दौरान रेलवे स्टेशनों और सम्मेलन स्थल के पास स्थित पटेल चौक, आरके आश्रम और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में वाहन खड़े नहीं होंगे। आवश्यक वाहनों को छोड़कर किसी भी वाहनों को यहां ठहरने की इजाजत नहीं होगी। स्टेशनों पर जाने वाले यात्रियों को छोड़ने की इजाजत होगी, लेकिन किसी को स्टेशन से ले जाने पर पूरी तरह से रोक होगी।

रेलवे पार्सल पूरी तरह से बंद

रेलवे के पार्सल घर बंद रहेगा। रेलवे पुलिस उपायुक्त ने रेलवे डीआरएम को पत्र लिखकर इसे बंद करने का अनुरोध किया था, जिसे रेलवे ने स्वीकार कर लिया है।

संदिग्ध लोगों की सूचना देने की अपील

रेलवे स्टेशनों पर मौजूद कुली, सफाई कर्मी, ऑटो व टैक्सी चालकों को यहां आने वाले संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखने के लिए कहा गया है। इसकी जानकारी पुलिस को देने की अपील की है, ताकि समय रहते पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

एलजी व मुख्य सचिव ने परखीं तैयारियां

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार, पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, एनडीएमसी अध्यक्ष, एमसीडी आयुक्त सहित अन्य के साथ जी-20 की तैयारियों का जायजा लिया। सबसे पहले उपराज्यपाल पुलिस मुख्यालय में स्थापित अत्याधुनिक विकसित नियंत्रण कक्ष पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस आयुक्त

के साथ सुरक्षा तैयारियों की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि दिल्ली को सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न हिस्सों में पांच हजार से अधिक सीसीटीवी से लाइव फुटेज मिलेगी। इसके अलावा 25 सुरक्षाकर्मियों वाली दो टीमें अलग-अलग शिफ्टों में निगरानी करेंगी। सभी प्रकार की डिजिटल जानकारी चौबीस घंटे नियंत्रण कक्ष में भेजी जाएंगी। इसके बाद उन्होंने भारत मंडपम, एनडीएमसी के आपदा प्रबंधन केंद्र, पालम एयरपोर्ट के साथ दूसरे कई इलाकों का दौरा किया।

विशेष कमांड रूम तैयार

दिल्ली में छोटी से छोटी घटना पर नजर रखने के लिए 30 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के लिए एक विशेष कमांड रूम स्थापित किया गया है। पुलिस नियंत्रण कक्ष के अलावा, उपराज्यपाल ने एनडीएमसी के आपदा प्रबंधन कक्ष के नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी और लगभग 30 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो पानी के रिसाव, फुटपाथ की क्षति जैसी शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए चौबीस घंटे काम कर रहे हैं।

जेट वाटर से होगी सफाई

निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल ने आईजीआई एयरपोर्ट के आसपास के इलाकों पर खास जोर दिया और निर्देश दिया कि उन इलाकों को धूल मुक्त बनाया जाए व आवश्यकता पड़ने पर सड़कों व फुटपाथों को जेट वाटर से साफ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से वीआईपी क्षेत्रों की हरियाली पर अतिरिक्त निगरानी रखने और सूखे पौधों व फूलों के स्थान पर ताजे पौधे लगाने के आदेश दिए।

एनएसजी ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह संभाला

एनएसजी ने प्रगति मैदान समेत दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह संभाल लिया है। दिल्ली पुलिस ने लोगों को नई दिल्ली व मध्य दिल्ली के कुछ हिस्सों में न जाने की सलाह दी है। पुलिस का कहना है कि लोग मेट्रो से यात्रा करें और मैप माई इंडिया एप पर नेविगेशन लगाकर बंद रास्तों के बारे में पता कर लें। पूरे नई दिल्ली इलाके में हजारों सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों का कंट्रोल रूम पुलिस मुख्यालय की छठी मंजिल पर बनाया गया है। यहां पर पचास से ज्यादा पुलिसकर्मी कैमरों से जुड़ी स्क्रीन पर नजर रखे हुए हैं। नई दिल्ली के हर पुलिस स्टेशन में भी कैमरों का कंट्रोल रूम बनाया गया है। इन कंट्रोल रूम से पुलिस स्टेशन क्षेत्र पर कड़ी नजर रखी जा रही है। होटलों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। रायसीना रोड से प्रेस क्लब तक के मार्ग को बंद कर दिया गया है।

आकर्षक फूलों से महकने लगीं सड़कें

एनडीएमसी ने नई दिल्ली इलाके को फूलों से सजाना शुरू कर दिया है। प्रमुख चौराहों व अतिथियों के आवागमन वाले रास्तों पर जी-20 के लोगो व संदेश वाले फूलों के बोर्ड लगाने शुरू कर दिए हैं। विभिन्न जगहों पर फूलों के फव्वारे भी बनने लगे हैं। जी-20 के लोगो और स्लोगन वसुधैव कुटुंबकम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य को प्रमुखता से प्रदर्शित करने वाले 40 फूलों के बोर्ड विभिन्न स्थानों पर स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया है। 24 स्थानों पर फूलों के फव्वारे भी बनाए जा रहे हैं। यह फव्वारे अतिथियों के होटलों, आयोजन स्थल, उनके आने जाने के रास्ते में आने वाले चौराहों के अलावा अन्य प्रमुख स्थानों पर बनाए जा रहे हैं।

मेहमाननवाजी के लिए 100 महिला उद्यमी अनुवादक के रूप में बाजार में रहेंगी मौजूद

सम्मेलन में शामिल होने के लिए शुक्रवार से विदेशी मेहमानों का दिल्ली पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। व्यापारी संगठनों ने उनकी मेहमाननवाजी की तैयारियां पूरी कर ली हैं। व्यापारिक संगठनों से 100 महिलाओं की टीम बनाई है जो विदेशी भाषा की जानकार है। भाषा अनुवादक के रूप में ये महिला उद्यमी मुफ्त में सेवा देंगी। इसी तरह चांदनी चौक, सरोजनी नगर समेत कई बाजारों को भी विदेशी मेहमानों के पहुंचने का इंतजार है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने दिल्ली की 100 प्रतिष्ठित महिला उद्यमियों की टीम तैयार की है। ये महिलाएं बाजारों से भली-भांति परिचित हैं। साथ ही, अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन भाषा की जानकार भी हैं। महिलाएं मेकअप आर्टिस्ट, फैशन डिजाइनर, ब्लॉगर, सैलून मालिक, बुटिक मालिक हैं। सीटीआई ने इनकी सूची विदेश मंत्री को भेजी है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि अनुवाद के लिए व्यापारियों से संवाद करने के लिए इन्हें तैयार किया गया है।

दिल्ली-6 का दरीबा भी सत्कार करने को तैयार

चांदनी चौक स्थित दरीबा के ज्वेलर तरुण का कहना है कि आभूषण की दुकानें शिखर सम्मेलन के दौरान खुली रहेंगी। विदेशी मेहमान दिल्ली-6 के दरीबा में पहुंचते हैं तो खास तरह से दुकानदार उनका सत्कार करने को तैयार हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल कहा कि संचार उपकरण, खिलौने, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, भारतीय हस्तशिल्प, आतिथ्य सेवा क्षेत्र से संबंधित निर्यात व्यापार में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। उपकरण, रत्न और आभूषण, फर्निशिंग आइटम, इलेक्ट्रॉनिक आइटम के निर्यात व्यापार में भी वृद्धि की संभावना है। नई दिल्ली में आयोजित होने वाला यह अपनी तरह का अनोखा अंतरराष्ट्रीय आयोजन है, जोकि भारतीय व्यापार के लिए कई बेहतर रास्ते खोलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर हुआ कम

बारिश में होगा मेहमानों का स्वागत; दो दिन रहेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में जी20 समिट के बीच वायु प्रदूषण में कमी आई है। प्रदूषण का स्तर सितंबर माह के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। अगले दो दिन तेज हवा और हल्की बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है।

नई दिल्ली। जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान मौसम अनुकूल रहने और सड़कों पर कम हुए वाहनों के कारण दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर शुक्रवार को सितंबर माह में सबसे निचले स्तर पर रहा। शनिवार और रविवार को तेज हवाएं और हल्की बारिश के कारण प्रदूषण स्तर में कुछ और गिरावट होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिल्ली और गाजियाबाद का प्रदूषण स्तर एनसीआर में सबसे कम दर्ज किया गया।

जबकि गुरुग्राम का प्रदूषण स्तर सबसे ज्यादा मध्यम स्तर पर दर्ज किया गया। इससे पहले कोरोना महामारी के दौरान भी दिल्ली की सड़कों से कम हुए वाहनों के कारण प्रदूषण स्तर में गिरावट दर्ज हुई थी। शुक्रवार को भी कुछ ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का प्रदूषण स्तर 83 सूचकांक दर्ज किया गया जो बृहस्पतिवार के मुकाबले 21 सूचकांक कम है।

वहीं इससे पहले एक सितंबर को दिल्ली का प्रदूषण सूचकांक 140 दर्ज किया गया। उसके बाद से प्रदूषण स्तर में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। बृहस्पतिवार को यह स्तर घटकर 104 तक पहुंच गया था। वहीं एनसीआर की बात करें तो शुक्रवार को फरीदाबाद का प्रदूषण स्तर 91, गाजियाबाद का 79, ग्रेटर नोएडा का 114, गुरुग्राम का 118 और नोएडा का 88 सूचकांक दर्ज किया गया।

प्रदूषण स्तर में गिरावट का रुख दिल्ली के साथ एनसीआर क्षेत्र में भी दर्ज किया जा रहा है। विभाग की माने तो आने वाले दिनों में मौसम अनुकूल बने रहने के संभावना है। ऐसे में उम्मीद है कि 10 सितंबर तक दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर संतोषजनक स्तर में ही बना रह सकता है। एनसीआर में भी प्रदूषण स्तर मध्यम से संतोषजनक श्रेणी में बने रहने की संभावना है।

दिल्ली में अगले दो दिन चलेंगी हवाएं, होगी हल्की बारिश

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली में हवाओं की दिशा दक्षिण पूर्व-उत्तरपश्चिम से बदलकर पूर्व व दक्षिण-पूर्व हो गई। वहीं दिन में 15 किमी की गति से मध्यम स्तर की हवाएं चली। दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई। जिससे प्रदूषण स्तर में गिरावट दर्ज हुई है। इसके अलावा सड़कों पर कम हुए वाहन से भी प्रदूषण स्तर में सुधार देखा गया है। दिल्ली में अगले दो दिनों तक हवाओं की दिशा पूर्व और दक्षिण-पूर्व बनी रहने की उम्मीद है। दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। हवाओं की गति भी बढ़ने की उम्मीद है।

जी 20 मीटिंग का असर: दिल्ली जाने वाली ट्रेन, बस और हवाई सेवाएं प्रभावित, कई का समय बदला, कुछ हुईं रद्द

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ। हावड़ा, बिहार, गोरखपुर, लखनऊ से नई दिल्ली, पंजाब की ओर आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। इसके चलते गोमती एक्सप्रेस निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक चलेगी, वहीं राजधानी एक्सप्रेस सहित 20 ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित होगा।

दिल्ली में हो रहे जी 20 समिट के चलते रेल, बस व हवाई सेवाओं पर असर पड़ेगा। रेलवे ने पार्सल बुकिंग पर रोक लगा दी है। हावड़ा, बिहार, गोरखपुर, लखनऊ से नई दिल्ली, पंजाब की ओर आने-जाने वाली ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। इसके चलते गोमती एक्सप्रेस निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक चलेगी, वहीं राजधानी एक्सप्रेस सहित 20 ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित होगा। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ दीपक कुमार ने बताया कि जी-20 समिट के चलते कई ट्रेनों के टर्मिनल बदले गए हैं। इसमें नई दिल्ली स्टेशन पर रुकने वाली 12393/94 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस शनिवार को आनंदविहार स्टेशन पर रुकेगी। 14003/04 मालदाटाउन नई दिल्ली एक्सप्रेस 9 व 10 को दिल्ली स्टेशन पर, 12565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 9 को और 12566 बिहार संपर्क क्रांति 9 व 10 को आनंदविहार स्टेशन पर, 12419 लखनऊ नई दिल्ली-गोमती एक्सप्रेस 9 व 10 को निजामुद्दीन स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन लखनऊ से एक घंटे देरी से चलाई जाएगी। वापसी में 12420 गोमती एक्सप्रेस 9 व 10 को निजामुद्दीन स्टेशन से ही चलाई जाएगी।

पार्सल बुकिंग पर रेलवे ने लगाई रोक

जी-20 समिट को देखते हुए दिल्ली के पार्सलों की बुकिंग पर 10 सितंबर तक अस्थायी रूप से रोक लगा दिया है। हालांकि, पैसेंजर निजी सामान बोगियों में ले जा सकेंगे, जबकि पंजीकृत समाचार-पत्र और पत्रिकाओं को सभी वाणिज्यिक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद ले जाने की अनुमति होगी।

बसों का संचालन रहेगा सीमित

प्रदेश के विभिन्न शहरों से दिल्ली जाने वाली रोडवेज बसें दस सितंबर तक बदले रूट से चलाई जाएंगी। ऐसे में परिवहन निगम ने अलग-अलग रूटों से दिल्ली जाने वाली बसों की संख्या सीमित रखने का फैसला किया है। क्षेत्रीय प्रबंधक गाजियाबाद ने बताया कि लखनऊ, खुर्जा, बुलंशहर, सिकंदराबाद, हापुड़, लोनी, साहिबाबाद, कौशांबी, गाजियाबाद, आनंदविहार और कश्मीरी गेट की बसें प्रभावित रहेंगी।

दिल्ली की एक फ्लाइट कैंसिल, एक का समय बदला

इंडिगो की अमौसी एयरपोर्ट से शाम 7.50 बजे की दिल्ली की फ्लाइट 6ई 5072 शुक्रवार को निरस्त रही। यह फ्लाइट 11 सितंबर तक निरस्त रहेगी। वहीं, दिल्ली के लिए एयर इंडिया की रात 8.40 बजे की फ्लाइट एआई 812 का शेड्यूल बदल दिया गया है। 11 तारीख तक यह फ्लाइट सुबह 6 बजे जाएगी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

वर्कप्लेस पर तरक्की के लिए महिलाओं को इन चुनौतियों का करना पड़ता है सामना

वर्कप्लेस पर महिलाओं को अपना करियर ग्राफ बेहतर बनाने के लिए कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है. ये मुश्किलें उनके साथ मानसिक और शारीरिक शोषण के साथ साथ कई अन्य चुनौतियां भी पैदा कर देती हैं.

21 वीं सदी में महिलाएं हर कार्य क्षेत्र में अपना लोहा मनवा चुकीं हैं. फिर वह फाइनेंस सेक्टर हो, फोर्स हो या कोई अन्य क्षेत्र, पुरुषों के साथ वे कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं और मिशन को पूरा करने के लिए सफलता भी हासिल कर रही हैं. लेकिन इसका मतलब ये कतई नही है कि हर महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में पूरी तरह से बाधाओं से परे हैं और उनका पुरुषों के समान ही बराबर का अवसर भी हासिल हो रहा है. यहां हम आपको बताते हैं कि वर्क प्लेस पर महिलाओं को अपने करियर ग्राफ बेहतर बनाने के लिए किन चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है जो उनके लिए कई बड़ी मुश्किलें पैदा करती हैं और हालात करियर से हाथ धोने तक की आ जाती है.

महिलाओं के लिए वर्क प्लेस की चुनौतियां

प्रेग्नेंसी

वूमन आइकॉन नेटवर्क के मुताबिक, ऑफिस में वैसे तो प्रेग्नेंट महिला के साथ भेदभाव करना कानूनी रूप से अपराध है. इसके अलावा अगर महिला प्रेगनेंसी में काम करना चाहती है और उसे जबरदस्ती लीव पर जाने के लिए बाध्य किया जा रहा है तो इसे क्या कहा जाए. दरअसल, हर क्षेत्र में महिलाओं को प्रेगनेंसी लीव की जरूरत महसूस नहीं होती और वे अपने करियर को बीच में छोड़कर पेड लीव पर नहीं जाना चाहती. दरअसल, ऐसा करने से उनके करियर को नुकसान हो सकता है.

समान वेतन

औसतन जगहों पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काम अधिक करना पड़ता है लेकिन उनकी सैलरी पुरुषों की तुलना में कम होती है. वैसे तो महिला कर्मचारी कंपनी में पे ऑडिट की मांग कर सकती हैं लेकिन उसे मैनेजमेंट से टक्कर लेना पड़ सकता है जिससे उसकी नौकरी को खतरा हो सकता है. ऐसे में उन कंपनियों को ढूंडना चुनौतिपूर्ण है जहां समान वेतन की बात की जाती हो.

लीडरशिप के लिए मौका कम होना

कई ऐसे फर्म हैं जहां लीडरशिप पोजीशन के लिए महिलाओं और पुरुषों में अंतर देखा जाता है. ऐसा अक्सर इसलिए होता है क्योंकि पुरुषों को हाई-प्रोफाइल, मिशन-क्रिटिकल असाइनमेंट के लिए आवंटित किया जाता है जो पेशेवर और मील स्टोन के रूप में काम करते हैं. ये संस्थान के पूर्वाग्रहों का परिणाम हो सकता है.

बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए ये हैं 7 ज़रूरी बातेंआगे देखें...

यौन उत्पीड़न

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अभी भी एक समस्या है. अगर किसी महिला के साथ कुछ ऐसा होता है तो इसकी जानकारी मैनेजमेंट को देनी चाहिए और मैनेजमेंट को इसकी जांच करनी चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए. लेकिन कई जगहों पर मैनेजमेंट या बड़े लीडरशिप पोजीशन के लोग इन बातों को दबा देते हैं और महिला को नौकरी तक से हाथ धोना पड़ जाता है.

बिज़ी लाइफ में इन तरीकों से महिलाएं निकालें खुद के लिए समय

महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है. महिलाओं को खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टस्क हो गया है.

कामकाजी महिलाओं (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. ऐसे में कुछ तरीकों की मदद से वे अपना काम आसान कर सकती हैं और अपने लिए समय बचा सकती हैं ताकि वे अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकें.

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकालना बहुत कठिन टास्क हो गया है. इस समस्या से सबसे अधिक महिलाएं प्रभावित हैं और जो महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए तो खुद के लिए समय निकालना नामुमकिन है. वर्किंग विमेन (Working Women) के ऊपर घर के साथ-साथ ऑफिस की भी जिम्मेदारी होती है. जिसे पूरा करते-करते वे ना तो चैन की सांस ले पाती हैं और ना ही अपनी नींद पूरी कर पाती हैं. ऐसे में स्वास्थ्य पर काफी गहरा असर पड़ता है.
इस समस्या को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं जो आपके बहुत काम आ सकते हैं.

चाबियों पर लगाएं अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश

अक्सर जब किसी काम को जल्दी पूरा करना हो या हम जब जल्दी में होते हैं तभी छोटी-छोटी चीजों की वजह से देर होने लगती. ऐसे में आप अपने घर की कई चाबियों को अलग-अलग रंग की नेल पॉलिश से रंग सकते हैं. इससे आपको पर्टिकुलर लॉक के लिए सारी चाबी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे आप अपने समय की बचत कर सकते हैं.

कंघी करते समय रखें ध्यान

ऑफिस जाते समय जल्दी-जल्दी में बालों को सुलझाने में महिलाएं बालों के साथ खींचतान करने लगते हैं. जिससे बाल अधिक टूटते हैं और नीचे गिर कर काम बढ़ा देते हैं. इससे बचने के लिए अपने हेयर ब्रश में बटर पेपर लगाकर कंघी करें. इससे बाल जल्दी सुलझ जाएंगे और नीचे भी नहीं गिरेंगे.

हेयर स्ट्रेटनर से प्रेस करें

सुबह के समय जल्दी रहे तो आप प्रेस के लिए हेयर स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे आपके कपड़े जल्दी प्नेस होंगे और आपका समय बच जाएगा.

कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं ये ऐप्स

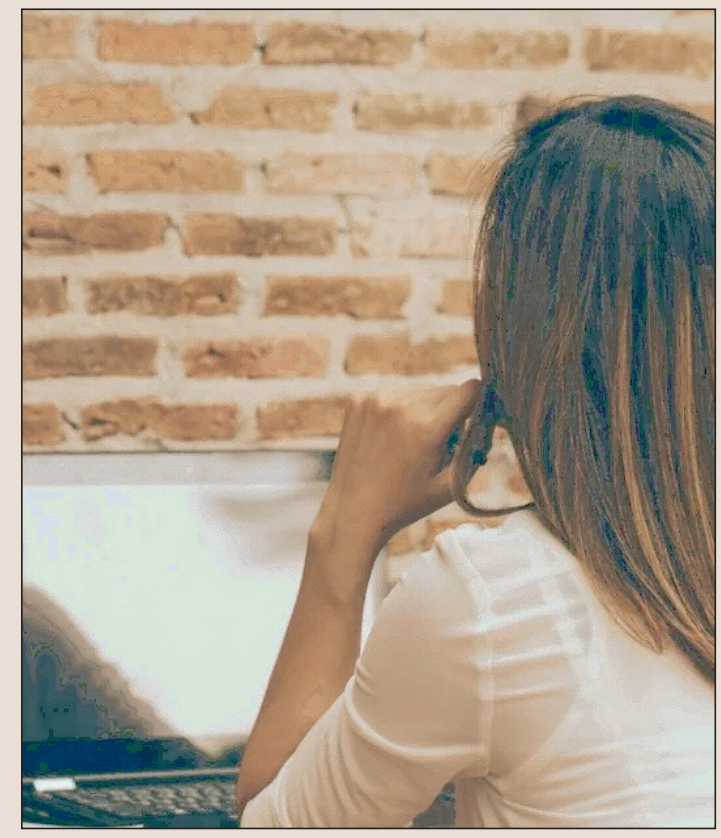

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई है.

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में ऐप्स की मदद से आगे बढ़ रही हैं और पैसे भी कमा पा रही हैं. सबसे खास बात यह है कुछ प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
अगर आप किसी कारणवश अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाई हैं, या आपने केवल 10वीं या 12वीं तक की ही पढ़ाई की है और आप अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, इस अब आपको ऐसा मौका मिल सकता है. क्योंकि देश में कई ऐसे मोबाइल ऐप बनाए गए हैं, जो खासरकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं. इन ऐप्स के इस्तेमाल से महिलाओं ने 2021 में तरक्की के कई रास्ते खोले और अब 2022 में भी ये उनकी मदद कर रहे हैं. दिल्ली-एनसीआर (**Delhi-NCR**), मुंबई, हैदराबाद, पुणे और अन्य मेट्रो सिटीज में बहुचर्चित 'अपना (**apna**)' ऐप ने महिलाओं के बीच अच्छी पकड़ बनाई है. बीते साल करीब लाखों महिलाओं ने इसका इस्तेमाल कर नौकरी पाई. सबसे खास बात यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को नौकरी के लिए बहुत ज्यादा फॉर्मल तरीका नहीं अपनाना पड़ता, जिससे उनकी झिझक कम हो जाती है.
इन ऐप्स पर सिर्फ अपनी जानकारी डालने के बाद उनके पास जरूरत के हिसाब से नौकरी पाने के ऑफर आते रहते हैं. 12वीं पास महिलाओं ने सबसे ज्यादा टेलीकॉलर, बीपीओ, बैक ऑफिस, रिसेप्शनिस्ट, फ्रंट ऑफिस, टीचर, अकाउंटेंट, एडमिन ऑफिस असिस्टेंट और डाटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी के लिए आवेदन किया है.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत प्लेटफॉर्म

इसी तरह खास महिलाओं के लिए चलाई जा रही सोशल नेटवर्किंग साइट 'शीरोज (**Sheroes**)' भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आई है. यहां हर उम्र वर्ग की महिलाएं, ऐप या वेबसाइट के माध्यम से जुड़ती हैं. वह नौकरी के अवसर भी तलाशती है, साथ ही अगर वह अपने लेवल पर किसी तरह का बिजनेस कर रही हैं, तो उसे प्रमोट भी करती हैं. बिजनेस वुमेन इसके सहारे अपना नेटवर्क मजबूत कर रही हैं. इस तरह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मोबाइल और इंटरनेट टेक्नोलॉजी सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित हुई.

जो महिलाएं मां नहीं बन पातीं, उनमें हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा: नई रिसर्च

महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.

महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है. (सांकेतिक तस्वीर) महिलाओं के प्रजनन इतिहास का उन्हें होने वाली दिल की बीमारी से संबंध होता है.

ब्रिटेन में हुई रिसर्च से पता चला है कि जिन औरतों में बांझपन (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका 16 फीसदी तक ज्यादा होती है. महिला को गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ में परेशानी हो तो बाद के सालों में दिल की बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है.
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
प्रेग्नेंसी के दौरान विटामिन A की कमी हो सकती है खतरनाक, जानें यह क्यों जरूरी
लंदनः एक नए शोध से पता चला है कि महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने (infertility) की समस्या का संबंध दिल की बीमारी से भी होता है. ब्रिटेन में हुई रिसर्च के बाद दावा किया गया है कि जिन औरतों में बांझपन यानी इनफर्टिलिटी (infertility) की समस्या होती है, उनका हार्ट फेल होने की आशंका बाकी महिलाओं से 16 फीसदी तक ज्यादा होती है.
अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जर्नल में छपे इस शोध में कहा गया है कि महिलाओं के प्रजनन इतिहास से काफी हद तक पता चल जाता है कि उन्हें भविष्य में दिल की बीमारी होने का कितना खतरा है. महिला को अगर गर्भवती होने के दौरान दिक्कतें आएं या मेनोपॉज़ के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़े तो बाद के सालों में उसे दिल की बीमारी होने का रिस्क बढ़ जाता है.
इस शोध के दौरान दो तरह के हृदयाघात यानी हार्ट फेल होने की स्टडी की गई. पहला preserved ejection fraction के साथ हार्ट अटैक (HFpEF) जिसमें दिल की मांसपेशियां खून पंप करने के बाद पूरी तरह फैल नहीं पातीं. दूसरा हार्ट फेल्योर विद reduced ejection fraction (HFrEF). इसमें बाएं वेंट्रीकल यानी दिल के निचले भाग के कोष से हर धड़कन के बाद जितना खून शरीर में जाना चाहिए, वो नहीं जा पाता. महिलाओं में हार्ट फेल के ज्यादातर मामले HFpEF के ही होते हैं.
शोध करने वाली टीम की लीडर और मैसाचूसेट्स जनरल हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ ने बताया कि रिसर्च के दौरान ये पता लगाने की कोशिश की गई कि महिलाओं में थायरायड या जल्दी मेनॉपॉज़ जैसी समस्याओं का भी क्या प्रजनन क्षमता और दिल की बीमारी से कोई लेना-देना होता है या नहीं. लेकिन इस धारणा को लेकर किसी तरह के पुख़्ता सबूत अभी नहीं मिल पाए हैं.
शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी तक ये तो पता था कि जिन महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की समस्या होती है, उनमें हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी होने के चांस ज्यादा होते हैं. लेकिन बांझपन का दिल की बीमारी पर असर को लेकर कोई पुख्ता स्टडी नहीं हुई थी. आमतौर पर दिल की बीमारी को 50 साल के बाद की समस्या माना जाता है, जबकि बांझपन उम्र के 20वें, 30वें या 40वें पड़ाव पर आने वाली दिक्कत है. इसलिए इन दोनों के संबंध पर गौर नहीं किया जाता. अब महिलाओं में बच्चे पैदा न कर पाने की क्षमता का कुछ नहीं किया जा सकता लेकिन भविष्य का ध्यान तो रखा ही जा सकता है ताकि उन्हें दिल की बीमारियों से बचाया जा सके.

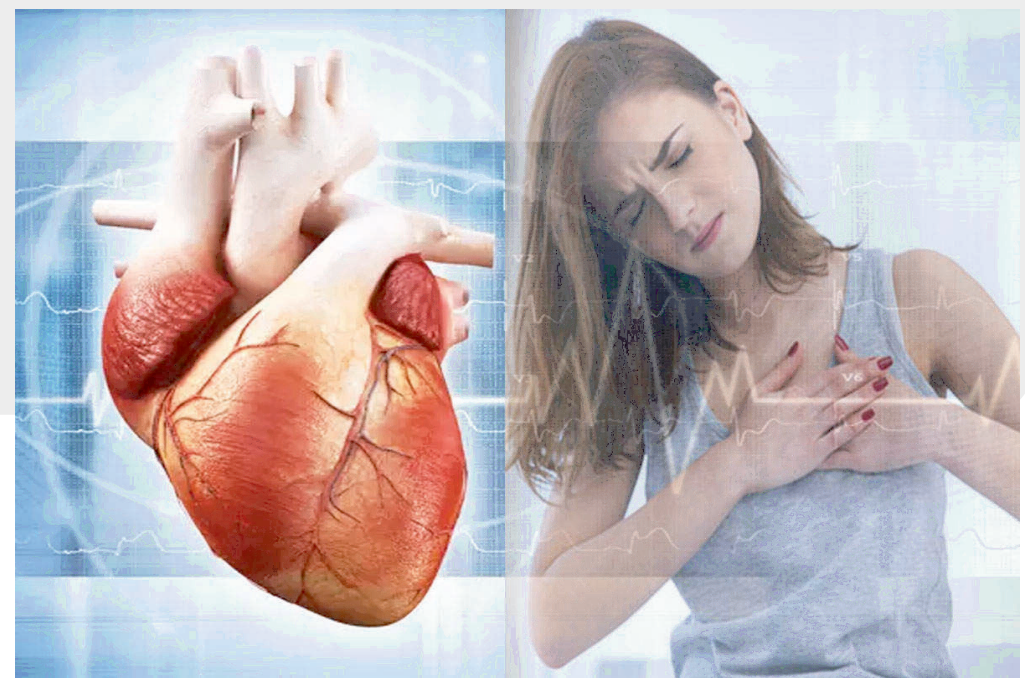

G20 सम्मिट 2023: अर्धसैनिक बल, 40 DCP की तैनाती... राष्ट्राध्यक्षों को एयरपोर्ट से ऐसे पहुंचाया गया होटलों तक

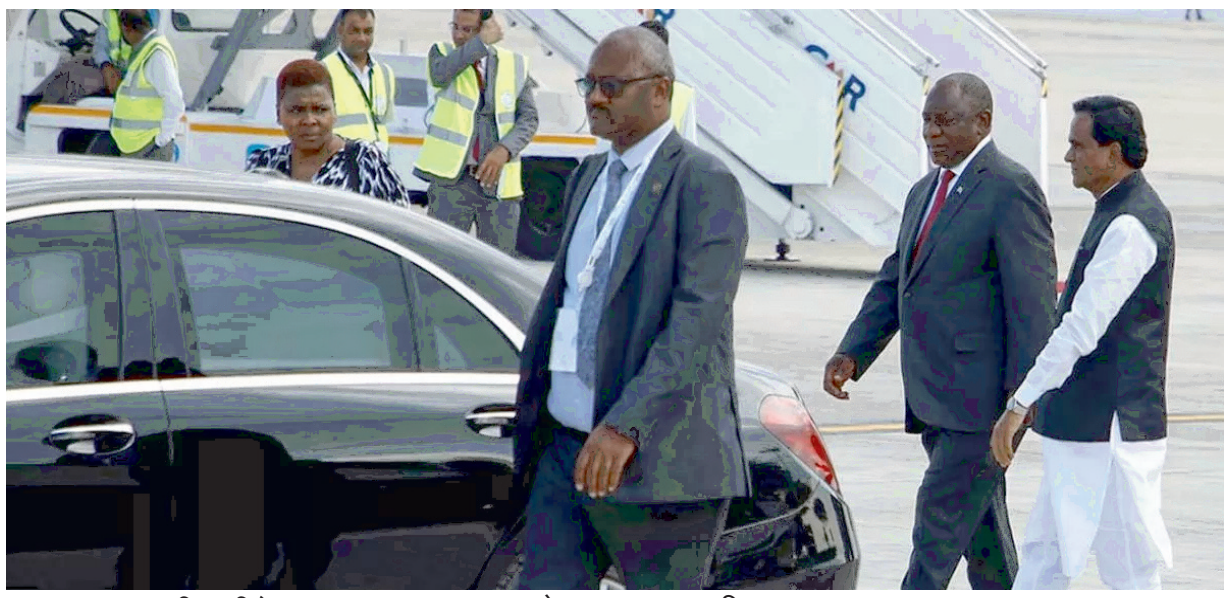

परिवहन विशेष न्यूज

G20 Summit in Delhi जी-20 की बैठकों में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमानों के आने का सिलसिला शुक्रवार को पूरे दिन चला। इस दौरान एयरपोर्ट से लेकर नई दिल्ली जिले में पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। मेहमानों के कारकेड एयरपोर्ट से सीधे उनके ठहरने वाले स्थान तक सुरक्षित पहुंचाए गए। इस दौरान कारकेड के गुजरने के दौरान चौराहों आदि पर यातायात रोका गया।

नई दिल्ली। जी-20 की बैठकों में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमानों के आने का सिलसिला शुक्रवार को पूरे दिन चला। इस दौरान एयरपोर्ट से लेकर नई दिल्ली जिले में पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। मेहमानों के कारकेड एयरपोर्ट से सीधे उनके ठहरने वाले स्थान तक सुरक्षित पहुंचाए गए। इस दौरान कारकेड के गुजरने के दौरान चौराहों आदि पर यातायात रोका गया।

पांच से 10 मिनट तक कई प्रमुख मार्गों पर यातायात रोका गया, हालांकि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम था, इससे जाम की स्थिति नहीं बनी, लेकिन यातायात रोके जाने से वाहन चालक परेशान हुए।

10 मिनट तक रोका गया यातायात

एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन से धौला कुआं की ओर जाने वाले मार्ग पर कारकेड गुजरने के चलते पांच से 10 मिनट तक के लिए यातायात रोका गया। पालम एयरपोर्ट से धौला कुआं आने वाले मार्ग पर जगह-जगह दिल्ली पुलिस, अर्धसैनिक बल व अन्य सुरक्षा बलों के जवानों की तैनाती रही। इस मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों को धूप से बचाने के लिए छतरियां इत्यादि लगाई गईं हैं।

महिपालपुर से एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग, धौला कुआं इलाके में भी सड़कों, फ्लाईओवर पर बैरिकेड के साथ दिल्ली पुलिस समेत अन्य सुरक्षा बलों के जवान तैनात किए गए हैं। श्री अरबिंदो मार्ग स्थित आइएनए मेट्रो स्टेशन से पहले भी रूट लगाए जाने के चलते दोपहर में करीब 10 मिनट के लिए एम्स से नई दिल्ली जिले की तरफ जाने वाले रास्ते को बंद किया गया था।

प्रत्येक कारकेड के लिए एक डीसीपी

सभी 40 कारकेड की अगुवाई के लिए यायायात पुलिस के 40 डीसीपी की तैनाती की गई है। एयरपोर्ट से होटलों तक कारकेड पहुंचाने के साथ ही डीसीपी होटलों के बाहर तैनात रहेंगे, जब भी कोई कारकेड होटलों से प्रगति मैदान, राजघाट अथवा अन्य जगहों पर जाएगा तो उस कारकेड आगे डीसीपी चलेंगे। किस देश के कारकेड के साथ कौन डीसीपी चलेंगे इसकी जिम्मेदारी उनके नामों के साथ तय कर दी गई है। प्रगति मैदान के पास तीन यातायात डीसीपी की तैनाती की गई है वो वहां पर वाहनों की पार्किंग समेत अन्य यातायात संबंधी प्रबंधन संभालेंगे।

अमेरिका की CIA, ब्रिटेन की MI6... दिल्ली को अभेद्य किले में बदलने के लिए विदेशी एजेंसियां भी तत्पर

G20 Summit in Delhi जी-20 सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमान भारतीय सुरक्षा एजेंसी सहित अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी सीआइए ब्रिटेन की एमआई-6 और चीन की एमएसएस के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस (Delhi Police) ने जी-20 शिखर सम्मेलन में आने वाले विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं।

दिल्ली। जी-20 सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमान भारतीय सुरक्षा एजेंसी सहित अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी सीआइए, ब्रिटेन की एमआई-6 और चीन की एमएसएस के सुरक्षा घेरे में रहेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस ने जी-20 शिखर सम्मेलन में आने वाले विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं।

राष्ट्रीय एजेंसियां ने विदेशी सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर राजधानी को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ही अमेरिका की CIA, ब्रिटेन की MI-6 और चीन की MSS सहित अन्य देशों की सुरक्षा एजेंसी ने कई दिनों से दिल्ली में डेरा डाल रखा है।

भारतीय सहित इन एजेंसियों के अचूक सुरक्षा घेरे में ही कई राष्ट्राध्यक्ष कार्यक्रम स्थल भारत मंडपम में शिरकत करेंगे। इसके तहत ही संयुक्त रूप से सुरक्षा एजेंसियों की रिहर्सल भी की गई है।

जी-20 सम्मेलन को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा की सारी तैयारी कर ली गई हैं। इसको लेकर सुरक्षा बलों की लगातार रिहर्सल भी कराई जा रही है। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसलिए भारतीय व विदेशी एजेंसियां ने आपस में समन्वय स्थापित किया है।

इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सीआइए, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक एमआइ-6 और चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग एमएसएस एजेंसी के सुरक्षा घेरे में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। दूसरी लेयर में भारतीय एजेंसियों के जवान सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। इसके अलावा अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को दिल्ली पुलिस और एनएसजी के विशेष सुरक्षा घेरे में ले जाया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने वाले सभी रास्तों की जानकारी की साझा वहीं, जिन चयनित होटलों में जी-20 सदस्य देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री रुकेंगे, उन होटलों की सुरक्षा के साथ-साथ कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने वाले सभी रास्तों की जानकारियां विदेशी सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की गई है।

उन्हें मेहमानों के संभावित रूट व उनके भ्रमण स्थल की जानकारी भी दी गई है। ताकि वह अपने स्तर पर भी अलर्ट रह सके। हालांकि मेहमानों के भ्रमण के संबंध में अधिकतर जानकारी गोपनीय रखी गई है। इसे सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों तक ही सीमित रखा गया है।

पांच से छह लेयर का होगा मेहमानों की सुरक्षा का घेरा

सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों की सुरक्षा का घेरा पांच से छह लेयर में होगा। इसके तहत विदेशी सुरक्षा एजेंसी, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी, भारतीय सेना, दिल्ली पुलिस, अर्ध सैनिक बल, क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) अलग अलग लेयर में सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगी। इसके अलावा दिल्ली में जी-20 को लेकर मोबाइल पुलिस स्टेशन भी बनाए गए हैं। इसके तहत एक बस में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसी बस को मोबाइल पुलिस स्टेशन का नाम दिया गया है।

हाई राइज बिल्डिंगों पर तैनात होंगे एनएसजी कमांडो

मेहमानों के काफिले की सुरक्षा को देखते हुए उनके रूट व कार्यक्रम स्थल के आसपास हाई राइज बिल्डिंगों से निगरानी रखी जाएगी। इन बिल्डिंगों पर एनएसजी कमांडो और सेना के स्नाइपर को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा कुछ विशेष चयनित गोपनीय जगहों पर भी एनएसजी कमांडो की तैनाती की गई है। वहीं, उन

G20 Summit: एयरपोर्ट पर फव्वारे, रंग-बिरंगी लाइटें... फूलों वाले गमले; दिल्ली को सजाने में कितने करोड़ खर्च?

जी20 शिखर सम्मेलन पर दिल्ली बदली-बदली और सजी-संवरी नजर आ रहा है। रात के अंधेरे में रंग-बिरंगी लाइटिंग के साथ तो टकटकी लगाकर निहारने पर मजबूर कर देती है। इसके लिए करोड़ों रुपये व्यय किए गए हैं। जी-20 सम्मेलन की अभेद सुरक्षा व्यवस्था पर दिल्ली पुलिस ने भी काफी खर्चा किया। आईए हम आपको बताते हैं कि दिल्ली की सजावट पर कुल कितना खर्चा आया है।

नई दिल्ली। बदली-बदली और सजी-संवरी दिल्ली इन दिनों हर किसी को लुभा रही है। यह साज-संवार दिन के उजाले में जितना मन भाती है, रात के अंधेरे में रंग-बिरंगी लाइटिंग के साथ तो टकटकी लगाकर निहारने पर मजबूर कर देती है।

इस सब के पीछे महीनों की मेहनत ही नहीं, बल्कि 171 करोड़ रुपये का व्यय भी है। जानकारी के मुताबिक, शिखर सम्मेलन के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों ने कुल 170.75 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस खर्च के तहत बागवानी के कार्य, सड़कों की मरम्मत, रिफलेक्टर व साइनेज बोर्ड लगवाने, स्ट्रीट लाइट ठीक कराने-नई लगाने, लाइटिंग के साथ स्कल्पचर लगाने, स्ट्रीट फर्नीचर तैयार कराने, दीवारों पर पेंटिंग कराने, फुटपाथ की मरम्मत, जहां- तहां पड़ा मलबा एवं अन्य कचरा हटाने, फ्लाइओवर व फुटओवर ब्रिज की सफाई-धुलाई कराने एवं जी-20 की ब्रांडिंग जैसे कार्य कराए गए हैं।

श्रेय लेने की होड़ के बीच खर्च के आंकड़ों से यह भी साफ हुआ है कि केंद्र सरकार के विभागों ने जहां 104.75 करोड़ रुपये का व्यय किया है वहीं दिल्ली सरकार के विभागों ने 61 करोड़ रुपये का खर्च किए हैं। एमसीडी ने पांच करोड़ रुपये का बजट व्यय किया है। इनमें भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) और दिल्ली पुलिस का व्यय अलग है।

किस विभाग का कितना खर्च

विभाग खर्च की गई रकम

एनडीएमसी 60 करोड़ रुपये
डीडीए 18 करोड़ रुपये
एनएचएआई 26 करोड़ रुपये
पीडब्लूडी 45 करोड़ रुपये
एमसीडी 5 करोड़ रुपये
विदेश मंत्रालय 0.75 करोड़ रुपये
वन विभाग 18 करोड़ रुपये

भारत मंडपम सहित प्रगति मैदान पर 3600 करोड खर्च

जी-20 के लिए भारत मंडपम सहित प्रगति मैदान को विभिन्न रूपों में तैयार करने पर आईटीपीओ के 3600 करोड़ खर्च हुए हैं। इसमें विभिन्न हालों एवं सुरंग सड़क सहित आसपास का सुंदरीकरण कार्य भी शामिल है।

सुरक्षा संबंधी तैयारियों पर खर्च हुए 340 करोड़

जी-20 की अभेद सुरक्षा व्यवस्था पर दिल्ली पुलिस के 340 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पता हो कि पुलिस मुख्यालय में अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। नियंत्रण कक्ष में शहर के विभिन्न हिस्सों में लगाए गए 5000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज मिलती रहेगी। साथ ही 25-25 सुरक्षाकर्मियों वाली दो टीमें अलग-अलग शिफ्ट में मौजूद रह 24 घंटे निगरानी करेंगी। सीसीटीवी द्वारा चौबीसों घंटे डिजिटल जानकारी नियंत्रण कक्ष को भेजी जाएगी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जी-20 को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है।

तीन संदिग्ध खालिस्तान समर्थकों की पुलिस हिरासत में हो रही पूछताछ, जी-20 को लेकर हाई अलर्ट पर पुलिस

दिल्ली के उत्तरी जिला पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से तीन खालिस्तान समर्थकों को हिरासत में लिया है। तीनों स्पेशल सेल स्थानीय पुलिस और आईबी समेत अन्य एजेंसियों की टीम पूछताछ कर रही है। हिरासत में लिए आरोपित रुपिंदर जीत सिंह अमन शर्मा और शगुनप्रीत सिंह हैं। यह सभी हरियाणा के रहने वाले हैं।

नई दिल्ली। उत्तरी जिला पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से तीन खालिस्तान समर्थकों को हिरासत में लिया है। तीनों स्पेशल सेल, स्थानीय पुलिस और आईबी समेत अन्य एजेंसियों की टीम पूछताछ कर रही है। हिरासत में लिए आरोपित रुपिंदर जीत सिंह, अमन शर्मा और शगुनप्रीत सिंह हैं। यह सभी हरियाणा के रहने वाले हैं।

हाई अलर्ट पर पुलिस

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जी-20 को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है। इस बीच जिला पुलिस को सूचना मिली कि खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस के कुछ सदस्य पुरानी दिल्ली इलाके में हैं। जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस के जरिए तीनों की तलाश शुरू की।

टीम ने मोबाइल और आइपी एड्रेस की मदद से रुपिंदर जीत सिंह, अमन शर्मा और शगुनप्रीत सिंह को दबोच लिया। जांच में पता चला है कि रुपिंदर टैटू कलाकार है। वर्ष 2020 अगस्त में रुपिंदर और अमन ने अपने गांव में खालिस्तान का झंडा फहरा दिया था।

इस मामले में दोनों को यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में दोनों को जमानत मिल गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी तक की पूछताछ में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

G-20 के रात्रि भोज में शामिल होने दिल्ली आएंगे नीतीश कुमार, निमंत्रण पत्र पर विपक्षी दलों ने जताया है ऐतराज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी-20 के विदेशी मेहमानों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए जा रहे रात्रि भोज में शामिल होने नई दिल्ली आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इस विशेष रात्रि भोज में आमंत्रित किया है। यह भोज नौ सितंबर को आयोजित है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नौ सितंबर को ही दिल्ली आएंगे।

नई दिल्ली।: जी-20 के विदेशी मेहमानों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए रात्रि भोज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। यह भोज नौ सितंबर को आयोजित है। राष्ट्रपति ने देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इस विशेष रात्रि भोज में आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री नौ सितंबर को ही दिल्ली जाएंगे। राष्ट्रपति द्वारा जी-20 के विदेशी मेहमानों को दिए जा रहे भोज के लिए जो निमंत्रण पत्र बंटा है, उस पर विपक्ष ने इस बात को लेकर आपत्ति जता रखी है कि उसमें प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। कांग्रेस सहित विपक्ष के सभी दलों ने इस पर एतराज जताया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को गया में गया जी धाम धर्मशाला निर्माण की आधारशिला रखेंगे। इसके पूर्व गुरुवार को पर्यटन सचिव अभय कुमार, प्रबंध निदेशक नंद किशोर, पर्यटन निदेशक विनय कुमार ने शिलान्यास स्थल का मुआयना किया। गया जी धाम में आधुनिक सुविधाओं से युक्त धर्मशाला बनने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों को उच्च गुणवत्तापूर्ण पर्यटकीय सुविधा मिल सकेंगी। इससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी, साथ ही आसपास के स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सकेगा। मंत्रिमंडल ने पांच सितंबर को 120 करोड़ की लागत वाली आधुनिक धर्मशाला के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। धर्मशाला चार मंजिला होगी। जिसमें एक हजार 80 बेड होंगे।

आठ से 10 सितंबर तक गुरुग्राम में रहेंगे साउथ कोरिया के राष्ट्रपति, 24 घंटे मेडिकल इमरजेंसी घोषित

परिवहन विशेष न्यूज

G20 Summit in Delhi जी20 को लेकर गुरुग्राम में 24 घंटे मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी के लिए इमरजेंसी की स्थिति में ब्लड थियेटर सहित अन्य चीजों की व्यवस्थाएं की गई हैं। जितने भी विदेशी मेहमान आयेंगे उनके लिए इमरजेंसी की स्थिति में गुरुग्राम के प्रमुख अस्पतालों में बेड और वार्ड आरक्षित किए हैं।

गुरुग्राम। जी20 को लेकर गुरुग्राम में 24 घंटे मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी के लिए इमरजेंसी की स्थिति में ब्लड, थियेटर सहित अन्य चीजों की व्यवस्थाएं की गई हैं। जितने भी विदेशी मेहमान आयेंगे, उनके लिए इमरजेंसी की स्थिति में गुरुग्राम के प्रमुख अस्पतालों में बेड और वार्ड आरक्षित किए हैं।

डाक्टरों को कांफ्रेंस काल पर 24 घंटे अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने दो एंबुलेंस की अलग से व्यवस्था की है, जो हर समय आपातकालीन उपकरणों के साथ अलर्ट मोड पर रहेगी।

दिल्ली में नौ एवं 10 सितंबर को आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए साउथ कोरिया के राष्ट्रपति गुरुग्राम के होटल ओबेराय में आठ से 10 सितंबर तक रहेंगे। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सरकारी के साथ ही गैर सरकारी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। मेहमानों के स्वास्थ्य की जांच को लेकर अलग-अलग अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ डाक्टरों की उपचार के दौरान वहां पर तैनाती भी रहेगी। मेदांता और नारायणा अस्पताल को पूर्ण रूप से इमरजेंसी सेवा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों अस्पतालों में सम्मेलन को देखते हुए 15 से ज्यादा स्टाफ की अलग से ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा फूड सैंपलिंग के लिए भी टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नारायणा को बनाया सेफ अस्पताल

सीएमओ डा. विरेंद्र यादव ने बताया कि नारायणा अस्पताल को सेफ अस्पताल बनाया गया है। यहां के डाक्टर 24 घंटे ड्यूटी पर रहेंगे। यहां एक थियेटर राष्ट्रपति और उनके साथ आने वाले प्रतिनिधियों के लिए अलग-अलग रूम आरक्षित किए गए है। एंबुलेंस भी तैनात रहेंगी।

मेदांता को बनाया इंफिनिटी सेंटर

सीएमओ के अनुसार मेदांता को इंफिनिटी सेंटर बनाया गया है। इस अस्पताल डाक्टर 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। यहां भी एक थियेटर राष्ट्रपति और उनके साथ आने वाले प्रतिनिधियों के लिए अलग-अलग रूम आरक्षित किए गए हैं। मेदांता के सभी सुपरस्पेशलिस्ट डाक्टर फोन पर सक्रिय रहेंगे। इसके अलावा एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी।

प्रतिदिन 15 लोगों की ड्यूटी

सीएमओ के अनुसार करीब आठ घंटे की शिफ्ट होगी। इसमें तीन स्पेशलिस्ट, एक ड्राइवर, एक इएनटी, एक लैब टेक्नीशियन टीम में शामिल होंगे। इसके अलावा एंबुलेंस में तीन अलग स्टाफ के लोग मौजूद रहेंगे।

ओबेराय में बनाया मेडिकल रूम

होटल ओबेराय में मेडिकल रूम बनाया गया है। वहां 24 घंटे मेडिकल सर्विस रहेगी। डिग्निटी का ब्लड ग्रुप सेफ रहेगा। इसके अलावा एक फिजिशियन, एक सर्जन और एक एनस्सिट ड्यूटी पर रहेगा। दो एंबुलेंस आरक्षित रहेंगी।

फूड सैंपलिंग के लिए भी टीम रहेगी तैनात

किसी तरह की चूक न हो इसके लिए फूड सैंपलिंग के लिए टीम भी होटल में तैनात रहेगी। खाने में जो कुछ भी परोसा जाएगा उसकी पहले जांच की जाएगी। बिना जांच के कोई भी फूड नहीं परोसा जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार करेंगे वकील, हापुड़ की घटना को लेकर लिया फैसला

गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली व सचिव स्नेह त्यागी ने बताया कि गाजियाबाद में अधिवक्ता पूरी तरह लोक अदालत को बहिष्कार करेंगे। बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली ने कहा हापुड़ की घटना में घायल हुए अधिवक्ताओं को तुरंत मुआवजा दिया जाए।

गाजियाबाद। गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली व सचिव स्नेह त्यागी ने बताया कि गाजियाबाद में अधिवक्ता पूरी तरह लोक अदालत को बहिष्कार करेंगे।

29 अगस्त को हुआ था लाठीचार्ज

हापुड़ में 29 अगस्त को अधिवक्ताओं पर हुई लाठीचार्ज की घटना के मामले में हापुड़ के डीएम व एसपी के खिलाफ कार्रवाई न होने के चलते यह निर्णय लिया गया है। घटना के बाद से गाजियाबाद कचहरी में अधिवक्ताओं की हड़ताल लगातार जारी है।

बार अध्यक्ष ने क्या कहा ?

बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली ने कहा कि अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज के दोषी पुलिसकर्मी, जिन्होंने बर्बरता पूवर्क लाठी चार्ज किया व महिला अधिवक्ताओं को पीटने का अनुचित कार्य किया है। उन सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। प्रदेश भर में पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज कराए गए झूठे मुकदमों को वापस लिया जाए। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट का आदेश पारित कर तुंरत लागू किया जाए। हापुड़ की घटना में घायल हुए अधिवक्ताओं को तुरंत मुआवजा दिया जाए।

होनहार विद्यार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ इंसान की जिंदगी में शिक्षा बहुत जरूरी है: जाहिद मंसूरी

A.I.J.M
ऑल इंडिया जमीयतुल मंसूर

परिहवन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। ऑल इंडिया (रजि) जमीअतुल मंसूर मध्य प्रदेश के प्रदेश प्रभारी जाहिद मंसूरी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया राजधानी शादी हाल भोपाल में भव्य विद्यार्थी अवार्ड सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिस में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य विधायक आरिफ मसूद. कार्यक्रम की अध्यक्षता जनाब सैयद मुश्ताक अली नदवी भोपाल शहर काजी साहब ने की इस आयोजन समारोहों में विद्यार्थीयों व उनके माता पिता का सम्मान संगठन द्वारा किया गया, प्रदेश प्रभारी जाहिद मंसूरी द्वारा बताया गया की हमारा संगठन कई वर्ष से लगातार मंसूरी समाज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा दिलवाने पर बेहतर काम किया जा रहा है और आज मंसूरी समाज में शिक्षा के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं जिस का नतीजा है, की मंसूरी समाज के बच्चे डॉक्टर इंजीनियर के अलावा 15/ IPS भी बन रहे हैं जमीअतुल मंसूर मध्य प्रदेश के माध्यम से विद्यार्थियों का सम्मान कर सर्टिफिकेट शील्ड और मेडल दे कर हौसला अफजाई कर उन के माता पिता को भी शाल श्रीफल फुल मालाओं से सम्मानीत किया गया, समारोह में जमीअतुल मंसूर के प्रदेश अध्यक्ष नसीम खान मंसूरी, रहमान खान हाजी जलील मंसूरी हाजी उमर सिद्दिकी मंसूरी कारी जमील अहमद मंसूरी, सरदार खान, राजधानी शादी हाल के नईम खान, जब्बार खान बिल्डर, एडवोकेट सरवर खान के आलावा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके परिवार के लोगो के उपस्थित थे।

" सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा"

भोपाल। नगरीय यातायात पुलिस भोपाल ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर आई.टी.एम.एस द्वारा बनाये गये ई-चालानों में उल्लंघनकर्ताओं द्वारा समन शुल्क राशि जमा नहीं करने पर नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समन जारी कराये गये हैं। दिनांक-09 सितंबर 2023 को आयोजित नेशनल लोक अदालत हेतु 16400 ई-चालानों की राशि जमा करने हेतु नोटिस जारी किये गये है। उक्त चालान का समन शुल्क लोक अदालत दिनांक-09/09/2023 को जमा कराया जाना अनिवार्य है अन्यथा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। इस संबंध में उल्लंघनकर्ता दिनांक-09.09.2023 को जिला न्यायालय भोपाल पहुचकर अपने लंबित चालानों का समन शुल्क जमा कर सकते है।

आगामी
नेशनल लोक अदालत
दिनांक-09सितंबर 2023

एनसीसी कैडेट ने भेजे राजस्थान मिशन 2030 में सुझाव

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाडा। राजस्थान वर्ष 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बने और प्रगति की गति 10 गुना हो, इसके लिए राजस्थान मिशन 2030 के तहत आमजन से ,विद्यार्थियों से सुझाव मांगे जा रहे हैं।इसी क्रम में पांच राज स्वतंत्र कंपनी एनसीसी भीलवाड़ा के एनसीसी कैडेट ने अपने अपने विचार प्रेषित किए।एनसीसी कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल तजिंदर शर्मा ने बताया की मिशन 2030 के तहत एनसीसी कैडेट ने राजस्थान को श्रेष्ठ स्थान पर लाने के लिए एनसीसी की गतिविधियों में सुधार,ट्रेनिंग ,आदि के अतिरिक्त शिक्षा ,उद्योग, व्यापार, डेयरी, खनन, वाणिज्यक कर, पर्यावरण, चिकित्सा एवं कला क्षेत्र में ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव भेजे।

12 सितम्बर 2023 से सम्पूर्ण प्रदेश की बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। जिला निजी बस एसोसियेशन के अध्यक्ष कलीम काजी के नेतृत्व में 12 सितम्बर 2023 से सम्पूर्ण प्रदेश की बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला महासचिव जगदीश चन्द्र ओझा ने बताया कि सरकार के कार्यकाल में जिला युनियन एवं प्रदेश बस ऑपरेटर एसोसियेशन लगभग 51 बार ज्ञापन दे चुकी है, परन्तु सरकार ने अभी तक हमारी मांगों के सम्बन्ध में हमारे साथ सोतेला व्यवहार कर रही है, इससे परेशान होकर प्रदेश की सभी युनियन का शहीद सर्किल गवरमेन्ट हॉस्पिटल जयपुर के पास 5 सितम्बर को धरना प्रदर्शन किया, जिसके बाद प्रदेश परिवहन कमिश्नर के साथ हमारी वार्ता असफल हो चुकी है। अतः प्रदेश युनियन ने यह निर्णय लिया है कि हमारी 21 सूत्रीय मांगों पर सरकार से कोई निर्णय नहीं हुआ है। अतः हमारे प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार भीलवाड़ा जिला निजी बस एसोसियेशन प्रदेश की बस ऑपरेटर एसोसियेशन राजस्थान का समर्थन

करती है एवम् भीलवाड़ा निजी बस एसोसियेशन 12 सितम्बर 2023 से चक्का जाम हड़ताल में सम्मिलित होगी। कोई भी परिवहन व्यवस्था सुचारू नहीं होगी।इस दौरान ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष कलीम काजी, सचिव जगदीश ओझा, कोषाध्यक्ष मनोज पारीक, बाबूलाल आगाल, श्यामलाल आगाल, फरीद मोहम्मद छीपा, गुंजन मेठवानी, हकीम मेवाती, लक्ष्मण गिरी आदि उपस्थित थे।

अमृतसर नगर निगम में आवाज सच की सांझा मोर्चा की तरफ से सभी कर्मचारियों ने नगर निगम कमिश्नर का किया धन्यवाद

अमृतसर (साहिल बेरी) कर्मचारियों की काफी समय से मांग थी की मृतक परिवार के एक सदस्य को प्राथमिकता के आधार पर नौकरी दी जाए, कर्मचारियों की मांग पंजाब सरकार ने पूरी कर दी है, और आज नगर निगम कार्यालय में कर्मचारियों ने अमृतसर के नगर निगम कमिश्नर का धन्यवाद किया, इस मौके पर सच की आवाज सांझा मोर्चा के प्रधान सुरिंदर सोनू, अशोक हंस, नरेश कुमार और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा, एआईकेएमएस

एआईकेएमएस की केंद्रीय कार्यकारी समिति ने 5 सितंबर, 2023 की सुबह उत्तर प्रदेश के 5 जिलों में नागरिक स्वतंत्रता, किसानों और छात्रों के आंदोलनों और संघर्षों में लगे कार्यकर्ताओं और नेताओं पर एनआईए की छापेमारी की निंदा की है।

एआईकेएमएस छापेमारी के दौरान कई घंटों तक अपनी हिरासत में रखने के बाद इन व्यक्तियों के घरों और कार्यालयों से मनमाने ढंग से लैप टॉप, मोबाइल फोन, किताबें, पत्रिकाएं, कागजात आदि जब्त करने की कड़ी आलोचना करता है। कहां गया है कि एनआईए मुख्यालय में दर्ज एक एफआईआर में एनआईए जांच करने गया था। जिन व्यक्तियों पर छापे मारे जा रहे थे, उन्हें अपने दोस्तों और रिश्तेदारों तक से संपर्क करने की अनुमति नहीं थी, आवश्यक कानूनी मदद मिलना तो छोड़ ही दें, जो ऐसी किसी भी जांच के दौरान अनिवार्य है।

दर्ज एफआईआर मे इस तरह की छापेमारी और मूल्यवान निजी सामान की जब्ती कहीं से भी उचित नहीं है। वास्तविक कारण इन कार्यकर्ताओं की लोकतांत्रिक गतिविधि को प्रतिबंधित करना प्रतीत होता है। एनआईए की छापेमारी जानबूझकर इन कार्यकर्ताओं को उन लोकतांत्रिक संगठनों में लक्षित करने और अलग-थलग करने के लिए की गई थी, जिनमें वे काम करते हैं।

सभी आरोपियों को अब अगले हफ्ते लखनऊ में एनआईए पूछताछ के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। किसी भी वास्तविक मामले में इलेक्ट्रॉनिक और लिखित सामग्री को पहले जब्त करने के बजाय यह पहला कदम होना चाहिए था। पर कब इस बात की प्रबल आशंका है कि ऐसी जब्त की गई सामग्री का उपयोग साक्ष्य गढ़ने और दर्ज मामले में सबूत के रूप में चिपकाने के लिए किया जाएगा। उस सामग्री का उपयोग इन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने के लिए किया जाएगा। जिन लोगों पर छापेमारी की गई, उनमें पीयूसीएल की यूपी अध्यक्ष सीमा आज़ाद, उनके साथी अधिवक्ता विश्व विजय, उनके भाई मनीष और उनकी पत्नी, लेखिका और आलोचक अमिता शेरीन, अधिवक्ता सोनी आज़ाद, उनके पति रितेश, खिरियाबाद, आज़मगढ़ में विस्थापन विरोधी आंदोलन के कार्यकर्ता और नेता राजेश आजाद व अन्य शामिल हैं।

जैसा कि एनआईए के एक नोट में खुलासा किया गया है, यह स्पष्ट है कि ये छापे एनआईए की सीपीआई माओवादी पार्टी की 'भर्ती योजना' की कहानी के लिए लिंक बनाने और वामपंथी उग्रवाद का आरोप लगाकर संघर्षरत ताकतों पर बड़ी कार्रवाई के लिए औचित्य बनाने के लिए किए जा रहे हैं। एनआईए की असली योजना इन मनुवादी ताकतों के अधिनायकवादी शासन द्वारा मानवाधिकारों पर फासीवादी हमले के खिलाफ असहमति की आवाज को दबाना है।

एआईकेएमएस ऐसे गैरकानूनी कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करता है। एनआईए की ऐसी हरकतें आरएसएस के नेतृत्व वाली मोदी सरकार के लिए अपनी कॉरपोरेट समर्थक, जमींदार समर्थक, माफिया समर्थक नीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रही सभी ताकतों को चुप कराने का हथियार बन गई हैं। देश भर में राजनीतिक कार्यकर्ता, सामाजिक और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता, किसान नेता, महिला और छात्र कार्यकर्ता किसी भी विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए निशाने पर हैं, ताकि प्राकृतिक संसाधनों, सस्ते श्रम और बाजारों की थोक लूट और दोहन की अनुमति दी जा सके और प्रचार-प्रसार किया जा सके कि देश का विकास हो रहा है।

एआईकेएमएस जब्त की गई सभी सामग्री वापस करने के साथ इस केस को समाप्त करने की मांग करता है। इसमें यह भी मांग की गई है कि सरकार को लोकतांत्रिक कार्यकर्ताओं का अपराधीकरण करना बंद करना चाहिए, जादू-टोना और छापेमारी बंद करनी चाहिए।

एआईकेएमएस पुरजोर तरीके से यूएपीए और एनआईए एक्ट को रद्द करने की मांग करता है।

वी वेंकटरमैया, अध्यक्ष
डॉ. आशीष मितल , महासचिव

चुनावी रंजिश में ग्राम प्रधान पर हमला,मेडिकल कालेज में भर्ती

परिवहन विशेष न्यूज

हरदोई शाहाबाद ब्लॉक से वापस अपने घर जा रहे ग्राम प्रधान को 4 लोगों ने घेरकर हाकी सरिया और रायफल की बटों से जमकर पीटा।जिसमे ग्राम प्रधान गम्भीर रूप से घायल हो गये घायल प्रधान को परिजनों ने सीएचसी टोडरपुर में भर्ती कराया वहाँ से जिला अस्पताल रिफर कर दिया जानकारी के अनुसार ब्लाक की ग्राम पंचायत सहादत नगर के प्रधान जगपाल कुशवाहा शनिवार को ब्लॉक में बैठक के बाद बाईक से अपने गांव झबरी पुरवा जा रहे थे।सहादत नगर के पास नहर की पुलिया के पास पहले से मौजूद आरोपी कमलेश सिंह व बृजनंदन सिंह निवासी सहादत नगर ने अपने अन्य साथियों अजमेरी पुत्र शाबिर आदि के साथ मिलकर उसकी बाईक को रोककर सरिया और हॉकी से एक बारगी उसपर हमला कर दिया।जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा और बृजनन्दन ने रायफल की बटों से उसे बुरी तरह मारा पीटा जिसमें वह गम्भीर रूप से घायल हो गया मारपीट होते देख झबरी पुरवा के तमाम लोग दौड़ पड़े तो आरोपी वहां से भाग गए ग्राम प्रधान ने बताया कि आरोपियों के साथ मिलकर उसने चुनाव लड़ा था और जीत जाने के बाद आरोपी सारा पैसा बेबजह अपने खर्च में ले रहे थे।जो ग्राम प्रधान को नागवार लगा और तभी से उसने उक्त लोगों से दूरी बना ली और प्रधानी कार्य अलग करने लगे इसी चुनावी रंजिश के चलते उक्त आरोपियों ने उस पर सरिया और हाकी से हमला कर बुरी तरह मारा पीटा ग्राम प्रधान का आरोप है कि बीते विधानसभा चुनाव में उसने सपा की मदद की थी जिससे आरोपी आग बबूला हो गए और उस पर थाना मंझिला में धारा 376 के तहत एक मुकदमा भी दर्ज करा चुके हैं ग्राम प्रधान का आरोप है कि उक्त सभी लोग उसे जान से भी मार सकते हैं।आरोपियों ने इसी मंशा से घर आते समय शाम को 5 बजे झबरी पुरवा के पास उस पर हमला कर दिया।जिसमें उसको गम्भीर चोटें आईं हैं और उसका इलाज मेडिकल कॉलेज हरदोई में चल रहा है।

विश्व ईवी डे 2023: क्या भारत ईवी मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बन सकता है? एक्सपर्ट्स से समझें

World EV day 2023 इस बार विश्व ईवी दिवस के मौके पर ध्यान देने लायक सबसे अहम बात यह है कि हाल के दिनों में भारत में लिथियम खनन का काफी विकास हुआ है। देश के भीतर लिथियम की उपलब्धता से मौजूदा हालात पूरी तरह बदल सकते हैं क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी का सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

नई दिल्ली। 9 सितंबर को वर्ड ईवी डे है। ईवी उद्योग के विकास को बढ़ावा देने में भारत सरकार बेहद अहम भूमिका निभा रही है। विश्व ईवी दिवस 2023 से पहले के वर्षों में, भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों को पेश किया है और उनका समर्थन करना जारी रखा है। इन नीतियों में टैक्स में मिलने वाले फायदों के साथ-साथ सब्सिडी और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश शामिल हैं। ईवी सेगमेंट को बढ़ता देख लोगों के मन में सवाल है कि क्या भविष्य में भारत ईवी मैन्यूफैक्चरिंग हब बनेगा? इस सवाल का जवाब आपको इस ऑर्टिकल में मिलने वाला है क्योंकि जागरण ने इस मुद्दे पर ईवी एक्सपर्ट्स से चर्चा की जिसका अंश नीचे दिया गया है।

भारत में पूरी दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण का केंद्र बनने की क्षमता है?

न्यूरॉन एनर्जी प्रा. लि. के सीईओ एवं सह-संस्थापक प्रतीक कामदार का इस विषय पर कहना है कि विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर की मौजूदगी बेहद जरूरी है, जिसमें बैटरी निर्माण सुविधाएं, असेंबली प्लांट और सप्लाई चेन नेटवर्क शामिल हैं। संभावित तौर पर, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में दूसरे देशों से मुकाबला करने की भारत की क्षमता सही मायने में घरेलू और विदेशी, दोनों कंपनियों द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर में किए जाने वाले निवेश पर निर्भर है।

ए एम यू लीजिंग एंड इ एम एफ ए आई के डॉयरेक्टर नेहल गुप्ता ने इस मुद्दे पर कहा कि वर्ल्ड ईवी डे 2023 के अवसर पर, एएमयू लीजिंग प्राइवेट लिमिटेड गर्व से ईवी मैन्युफैक्चरिंग के लिए ग्लोबल हब बनने की भारत की क्षमता को स्वीकारता है। हमारी यात्रा भारत भर के टियर 2 और 3 शहरों में वित्तीय समावेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को तेज करने में पूरी ताकत से लगी हुई, इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल इकोसिस्टम के ग्रोथ को सपोर्ट करना विशेष तौर पर शामिल है।

ईवी बैटरी की कब कम होंगी कीमतें?

प्रतीक कामदार ने बताया कि इस बार विश्व ईवी दिवस के मौके पर ध्यान देने लायक सबसे अहम बात यह है कि, हाल के दिनों में भारत में लिथियम खनन का काफी विकास हुआ है। देश के भीतर लिथियम की उपलब्धता से मौजूदा हालात पूरी तरह बदल सकते हैं, क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। भारत में हाल ही में खोजे गए लिथियम के भंडार से आयात पर निर्भरता में कमी आने के साथ-साथ पूरे ईवी सप्लाई चेन को मजबूती मिलने की संभावना है।

ईवी मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने में FAME सब्सिडी का कितना होगा योगदान?

प्रतीक कामदारका इस विषय पर कहना है कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME) स्कीम जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने और विनिर्माण को प्रोत्साहन मिला है। सरकार की इन योजनाओं ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ विदेशी निवेश को भी आकर्षित किया है, जिससे वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर में अव्वल है अपना देश

आरूता बाइक्स के CEO रघुवीर चंदलावड़ा का कहना है कि भारत में विद्या और कौशल की सभी जरुरतें इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) बनाने के लिए हैं। हम दुनिया में दो पहिये वाले वाहनों के सबसे बड़े निर्माता हैं, और हम EV तकनीक में उत्कृष्ट होने के लिए तैयार हैं। EVs इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ़्टवेयर का मिश्रण है, और भारत इन दोनों में अच्छा है। सही प्रतिभा, अच्छा वातावरण, और सरकार के समर्थन से भारत इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) बनाने के लिए एक वैश्विक हब बन रहा है। हालांकि ईवी की कीमत सामान्य पेट्रोल या डीजल-चालित वाहन से थोड़ा ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे ईंधन की ज़रुरत नहीं होती है. साथ ही, ईंधन की बढ़ती कीमतों के सामने, इस अतिरिक्त खर्च की ज़रुरत नहीं होने से काफी बचत होती है और इस प्रकार लम्बे समय में ईवी वित्तीय रूप से व्यवहार्य विकल्प है।

चूंकि इलेक्ट्रिक वाहन में जटिल यांत्रिकी नहीं होती है, इसलिए उनके मेंटेनेंस की कम ज़रुरत होती है और इस प्रकार उनकी रनिंग लागत भी कम हो जाती है। इससे आपको अपने सपनों का इलेक्ट्रिक वाहन रखने में आसानी होती है, जो आसानी से उपलब्ध हैं.

टाटा नेक्सन ईवी फेसलिफ्ट नई या पुरानी, कौन सी इलेक्ट्रिक कार है जबरदस्त?

अपडेटेड नेक्सन पेट्रोल और डीजल से पर्दा हटाने के बाद, टाटा मोटर्स ने अपनी Nexon.ev फेसलिफ्ट को भी अनवील कर दिया. जोकि नई .ev ब्रांडिंग के तहत की गयी है. यानि इस नई ईवी को भी यह ब्रांडिंग मिल रही है. स्टाइलिंग के लिहाज से नेक्सॉन फेसलिफ्ट पेट्रोल/डीजल के मुकाबले इसमें कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं. ईवी वेरिएंट में पूरी चौड़ाई वाली एलईडी लाइटिंग के साथ, ग्रिल को अब बॉडी कलर में रखा गया है. फ्रंट में फुल एलईडी लाइट का चार्जिंग के समय स्टेटस के लिए भी देखने को मिलता है. इसके अलावा इसमें X शेप का फुल कनेक्टेड टेल-लैंप दिया गया है, जबकि Nexon.ev में वेलकम/गुडबाय सीक्वेंस भी दिया गया है. इसमें पहिए 16 इंच के एयरो इंसर्ट वाले हैं और डिजाइन भी पेट्रोल/डीजल नेक्सन वाला ही है. हालांकि बेहतर रेंज के लिए इसमें कुछ एयरो बदलाव किया गया है जो इसे बाकियों से भी अलग करता है. ब्लू हाइलाइट्स अब पहले से कम है. हालांकि इसमें ब्लू .EV बैजिंग मौजूद है. इसके अलावा इसमें Nexon EV के अपोजिट नई Nexon.ev में एक छिपा हुआ रियर वाइपर भी मौजूद है.

केबिन की बात करें तो, नयी Nexon.ev ज्यादा प्रीमियम ईवी वेरिएंट दिखाई पड़ता है. जबकि इसमें स्टीयरिंग व्हील पर हल्के रंग का कवर अभी मिलता है, जिसमें अब बैकलिट के साथ 2-स्पोक है. इसके अलावा इसमें वेन्टिलेटेड लेदर सीटों पर कंट्रोल करने के लिए डिजिटल पैनल भी मौजूद है. वहीं इसमें मौजूद बाकी फीचर्स में वॉयस कंट्रोल सनरूफ, कूल्ड ग्लोवबॉक्स और टाइप सी 45W फ्रंट और रियर फास्ट चार्जिंग शामिल है. साथ ही पैडल शिफ्टर्स भी हैं, जो तीन लेवल पर कंट्रोल करने का काम करता है. बाकी शानदार फीचर्स की बात करें तो, इसमें 10.25 इंच के डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ हरमन 12.3 इंच की बड़ी टचस्क्रीन मिलती है. जिसमें ओटीए अपडेट, एलेक्सा, वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो/एप्पल कारप्ले, जेबीएल ऑडियो और एक एयर प्यूरीफायर है. नई नेक्सॉन फेसलिफ्ट की तरह इसमें भी ब्लाइंड व्यू मॉनिटर के साथ 360 डिग्री कैमरा मिलता है. टाटा ने कनेक्टेड कार तकनीक के साथ एक ऐप सूट भी दिया है.

Nexon.ev को अब पिछले ट्रिम नामों के बजाय लॉन्ग और मीडियम रेंज के साथ बदल दिया गया है, लॉन्ग रेंज वेरिएंट में 465 किमी की ARAI सर्टिफाइड रेंज की क्षमता वाला 40.5kWh बैटरी पैक मौजूद है. जबकि मीडियम रेंज में 325 किमी तक की सैर करने वाला 30kWh बैटरी पैक होगा है. लॉन्ग रेंज ईवी की टॉप स्पीड 150 किमी/घंटा है. जबकि मीडियम रेंज की 120 किमी/घंटा है. इसे तीन ड्राइव मोड लैस किया गया है.

Nexon.ev में एक और नया फीचर मिलता है, जो V2L चार्जिंग है जिसके जरिये किसी और ईवी को भी चार्ज किया जा सकता है. यानि इसका यूज एक पावर बैंक के रूप में किया जा सकता है. 7.2kW AC चार्ज से घर पर चार्ज करने पर लॉन्ग रेंज Nexon.ev को लगभग 6 घंटे में चार्ज किया जा सकता है.

वहीं इसकी कीमत की बात करें तो, नई Nexon.ev की कीमतें 14 तारीख तक सामने आ जाएंगी और जोकि मौजूदा कीमत की तुलना में थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं. ऐसी हमें उम्मीद है.

आ रही है एक और बजट ई-कार, टॉप 5 बेस्ट सेलिंग कारों में है शुमार

टाटा की बेस्ट सेलिंग कारों में शुमार पंच का इलेक्ट्रिक अवतार जल्द ही कंपनी बाजार में उतारने जा रही है. इसे दो बैटरी पैक के साथ ऑफर किया जाएगा.

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स मौजूदा समय में इंडिया के सबसे लोकप्रिय कार ब्रांड्स में से एक है. कंपनी ने हाल ही में अपनी बेहद पसंद की जाने वाली एसयूवी टाटा नेक्सन का फेसलिफ्ट बाजार में उतारा है. अब कंपनी आने वाले 14 सितंबर को Nexon EV फेसलिफ्ट भी मार्केट में लाने को तैयार है. बात करें इंडिया के इलेक्ट्रिक कार मार्केट की तो टाटा शुरू से ही इस सेगमेंट में काफी एक्टिव रहा है और वर्तमान में इंडिया का नंबर 1 ब्रांड है.

टाटा नेक्सन और टाटा टियागो ईवी सेगमेंट की सबसे सफल कारों में शुमार की जाती हैं. अब कंपनी अपना सेगमेंट में अपना फुटप्रिंट और बड़ा करना चाहती है. यही वजह है कि टाटा अपनी कई लोकप्रिय ICE इंजन वाली कारों को इलेक्ट्रिक अवतार में पेश करने वाली है. इस कड़ी में नाम आता है टाटा पंच का. टाटा पंच वर्तमान में एक बेहद लोकप्रिय एसयूवी है.

कब आएगी पंच इलेक्ट्रिक

इस कार के बारे में लंबे वक्त से चर्चा मार्केट में हो रही है. अब धीरे धीरे इसके लान्च के टाइमलाइन से पर्दा उठ रहा है. कंपनी इसे अगले महीने बाजार में पेश कर सकती है. बात करें इसके कंपैटिटर्स की तो मार्केट में इसकी टक्कर Citroen eC3 से होने वाली है. मार्केट में इसे Nexon EV MR से नीचे प्लेस किया जाएगा. वहीं पोर्टफोलियो में टिगोर ईवी से इसे ऊपर प्लेस किया जाएगा.

टाटा पंच ईवी कीमत

पंच ईवी टाटा के जेन-2 ईवी आर्किटेक्चर के साथ ALFA प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी. टिगोर, टियागो और नेक्सॉन ईवी के मामले की तरह, टाटा मोटर्स पंच ईवी को दो अलग-अलग बैटरी आकार और चार्जिंग विकल्पों के साथ पेश कर सकती है. बताया जा रहा है कि इसकी रेंज 400 किलोमीटर तक हो सकती है. अक्टूबर के अंत में जब टाटा पंच ईवी आएगी तो इसका मुकाबला Citroen eC3 (11.50-12.43 लाख रुपये) से होगा.

जाति व्यवस्था के अंदर व बाहर का समाज

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यही कारण है कि इस्लाम पंथ, ईसाई पंथ या यहूदी पंथ के पैरोकार भारत के समाज का अध्ययन भी इसी मनोविज्ञान के सहारे करते हैं। इसलिए भारतीय/हिंदू समाज को लेकर निकाले गए उनके निष्कर्ष अधूरे, एकांगी और भ्रामक हैं'

भारत में वर्ण संकल्पना एवं जाति आधारित समाज व्यवस्था बहुत पुरानी है। वर्ण संकल्पना का उल्लेख तो इतिहास के वैदिक काल से ही मिलना शुरू हो जाता है। उसी को ब्रिटिश शासन काल में जाति कहा जाने लगा। लेकिन क्या यह व्यवस्था पूरे भारतीय या हिन्दू समाज को अपनी लपेट में ले सकी? कोई व्यवस्था किसी प्रकार की भी हो, किसी समाज का ताना बाना कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, लेकिन किसी भी व्यवस्था को पूरे समाज में लागू करना हिन्दुस्तान जैसे विशाल देश में सम्भव नहीं है। दूसरे हिन्दू/भारतीय समाज के सामाजिक विधि विधान, रीति रिवाज, पूजा पद्धति, खानपान सारे देश में एक जैसे नहीं हैं। ऐसा हो भी नहीं सकता। यह हिन्दू/भारतीय समाज की भीतरी शक्ति का प्रतीक है। यही कारण है कि जाति व्यवस्था इतिहास के किसी भी कालखंड में पूरे हिन्दू समाज को आच्छादित नहीं कर सकी। उत्तरी व पूर्वी भारत में ही गुज्जर, गोंड, सन्थाल इत्यादि समुदाय जाति व्यवस्था के बाहर हैं। मणिपुर में कूकी, नागा समुदाय जाति व्यवस्था के घेरे में नहीं आते। मेघालय के गारो, खासी व जयन्तिया समुदाय ने अपनी सामाजिक संरचना जाति के आधार पर नहीं बनाई। अरुणाचल में आदी, मिशमी, शेरदुकपेन इत्यादि अनेक समुदाय जाति व्यवस्था से बाहर हैं। सिक्किम के लेप्चा, भुटिया, त्रिपुरा के जमातिया समुदाय की सामाजिक संरचना जाति आधारित नहीं है। इसलिए यह कहना कि पूरे हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना जाति पर आधारित है, ठीक नहीं होगा। लेकिन आज के समाजशास्त्री अपना पहला पाठ ही यहां से शुरू करते हैं कि भारतीय/हिन्दू समाज की सामाजिक व्यवस्था जाति पर आधारित है। डा. भीमराव अंबेडकर भी जब हिन्दुओं की चर्चा करते हैं तो वे हिन्दू समाज के उसी हिस्से की चर्चा करते हैं जिसकी सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित है। उस सामाजिक जाति व्यवस्था में वे अस्पृश्य समाज के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार पर चिन्ता प्रकट करते हैं। वे जानते हैं कि भारतीय/हिन्दू समाज का बहुत बड़ा भाग इस जाति व्यवस्था को ही स्वीकार नहीं करता। हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित नहीं है, बल्कि हिन्दू समाज के एक हिस्से की सामाजिक संरचना जाति व्यवस्था पर आधारित है। यह प्रश्न समाज शास्त्र के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है।

इस अध्ययन में भारतीय और हिन्दू शब्द को समानार्थक माना गया है। इसलिए जरूरी है कि सबसे पहले हिन्दू शब्द की अवधारणा को स्पष्ट कर लिया जाए। जब हिन्दू शब्द का प्रयोग किया जाता है तो उससे क्या अभिप्राय है? क्या यह मजहब सूचक है, राज्य सूचक है या राष्ट्रीयता सूचक है? वर्तमान में हिन्दू को इस्लाम मजहब और ईसाई मजहब के समकक्ष माना जाता है। यानी जिस प्रकार इस्लाम और ईसाई मजहब हैं, उसी प्रकार एक मजहब हिन्दू है। अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने वाले मजहब का अनुवाद रिलीजन करते हैं। लेकिन क्या सचमुच हिन्दू भी एक मजहब है? इसके लिए सबसे पहले मजहब को समझ लिया जाए। मजहब में तीन तत्व ऐसे हैं, जिनके बिना किसी भी मजहब की कल्पना नहीं की जा सकती। पहली शर्त है उसका कोई संस्थापक हो। इस्लाम पंथ के संस्थापक हजरत मोहम्मद थे। इसी प्रकार ईसाई पंथ के संस्थापक ईसा थे। यदि मजहबों की इस सूची में यहूदी पंथ को भी शामिल कर लिया जाए तो इन सभी पंथों के पितामह अब्राहम थे। यही कारण है कि इन तीनों को संयुक्त रूप से अब्राहम रिलीजन भी कहा जाता है। मजहब या रिलीजन की दूसरी शर्त है कि उसकी कोई पवित्र किताब हो जिस पर सभी आस्था रखते हों और उसे अंतिम ग्रन्थ मानते हों, यानी इस ग्रन्थ में जो लिखा गया है वही अंतिम सत्य है, यह अटल है। यहूदी मजहब के उपासकों की पवित्र किताब ओल्ड टैस्टामैंट है, ईसाई मत के उपासकों की पवित्र किताब बाईबल या न्यू टैस्टामैंट है। वैसे वे ओल्ड टैस्टामैंट को भी मान्यता देते हैं। इस्लाम रिलीजन के उपासकों की पवित्र किताब कुरान-ए-पाक है। यही कारण है कि इन तीनों मजहबों को पीपुल्स ऑफ दि बुक भी कहा जाता है। तीसरा तत्व है कि मजहब के सभी लोग ईश्वर, जिसे अंग्रेजी भाषा के लोग गॉड कहते हैं, के अस्तित्व को स्वीकार करें। ईश्वर कैसा है, अपनी व्यवस्था कैसे चलाता है, इसको लेकर मजहबों में मतभेद हो सकता है। लेकिन ईश्वर के अस्तित्व से मुनकिर नहीं हुआ जा सकता। किसी भी मजहब में ईश्वर तक पहुंचने का, उसकी पूजा-पाठ का एक ही मान्य तरीका होता है। इस्लाम मजहब का अपना तरीका है। ईसाई मजहब को अपना तरीका है । वहां तो भक्त और गॉड सीधा सम्वाद ही नहीं कर सकते। यह पोप के माध्यम से ही हो सकता है। इस्लाम मजहब में भी यही व्यवस्था है। मंसूर को इसी का उल्लंघन करने के कारण सूली पर लटकना पड़ा था। लेकिन भारतीय/हिन्दू समाज के जो लोग ईश्वर में विश्वास भी करते हैं, उनके पास ईश्वर से साक्षात्कार के अपने अपने हजारों तरीके हैं। ईश्वर के नाम भी हजारों हैं। गारो का अपना नाम है, खासी का अपना नाम है। मिजो का अपना नाम है। ईश्वर के स्वरूप को लेकर तो और भी घमासान है। साकार और निराकार तो है ही, कुछ के लिए तो वह घट घट में व्याप्त' है। इसका अर्थ तो यह है कि हिन्दू अपने आप में कोई मजहब नहीं है, बल्कि मजहब की उपरोक्त परिभाषा के अनुसार तो हिन्दू/भारतीय समाज में हजारों मजहब हैं। ख़ूबसूरती तो यह है कि सामान्य हिन्दू/भारतीय एक साथ सभी मजहबों को स्वीकार कर लेता है। यह ख़ूबी दुनिया में केवल भारतीय/हिन्दू समाज में ही है। एक जर्मन, ईसाई भी हो सकता है, इस्लाम पंथ या शिया पंथ को मानने वाला भी हो सकता है, हरे राम हरे कृष्ण आन्दोलन का वैष्णव भी हो सकता है। इसी प्रकार भारतीय/हिन्दू का भी कोई मजहब हो सकता है। उसका मजहब वैष्णव हो सकता है, शैव हो सकता है, शाक्त हो सकता है। वह जैन पंथ को मानने वाला हो सकता है, बुद्ध का उपासक हो सकता है, नानक पंथी हो सकता है, मुसलमान या ईसाई भी हो सकता है। लेकिन मामला यहीं समाप्त नहीं होता। हिन्दू/भारतीय एक साथ ही वैष्णव, शैव, शाक्त हो सकता है। यानी मजहब के मामले में भारतीय एक प्रकार से सर्व समावेशी स्वभाव के हैं।

वह एक साथ पीर की मजार पर सिजदा करने के बाद काली माता के मंदिर में मत्था टेक कर सीधा गुरुद्वारे पहुंच सकता है। उसे इसमें कुछ भी अस्वाभाविक नहीं लगता। लेकिन अब्राहम मजहबों के उपासक इसे देख दांतों तले ऊंगली दबाते हैं। कई बार यूरोप के समाजशास्त्री भारत या हिन्दू समाज को समझने में गलती कर जाते हैं। उसका कारण है कि भारतीय या हिन्दू एक साथ ही वैष्णव भी हो सकता है और शैव भी। इतना ही नहीं, वैष्णव, शैव के साथ ही नानक का उपासक भी हो सकता है। नानक के साथ वह बुद्ध का भी उपासक हो सकता है। इससे भी आगे जाकर वह मंदिर, गुरुद्वारा जाने के साथ ही किसी पीर की मजार पर भी एक साथ ही सिजदा कर सकता है। भारतीय मनोविज्ञान सर्वसमावेशी है। लेकिन दुनिया में और कहीं भी मजहब के मामले में ऐसी स्थिति नहीं है। जो ईसाई पंथ का पैरोकार है, वह किसी पीर की मजार पर सिजदा नहीं कर सकता और न ही किसी मंदिर या गुरुद्वारे में जाकर उपासना कर सकता है। इसी प्रकार जो इस्लाम पंथ का पैरोकार है, वह चर्च में नहीं जा सकता। यहूदी का तो मस्जिद में जाने का सवाल ही नहीं उठता। इस प्रकार दुनिया के अन्य मजहब ऑल एक्सक्लूसिव हैं। लेकिन भारतीय या हिन्दू मजहब के मामले में ऑल इनक्लूसिव है। वह एक साथ अनेकों मजहबों को अपने भीतर समेटे है। यही कारण है कि इस्लाम पंथ, ईसाई पंथ या यहूदी पंथ के पैरोकार भारत के समाज का अध्ययन भी इसी मनोविज्ञान के सहारे करते हैं। इसलिए भारतीय/हिन्दू समाज को लेकर निकाले गए उनके निष्कर्ष अधूरे, एकांगी और भ्रामक हैं।

संपादक की कलम से

परिवहन का रुख बदलना होगा

हिमाचल में सडक़ परिवहन का विस्तृत स्वरूप यहां की उम्मीदों को परवान चढ़ाता है और इसीलिए किसी भी परिवहन मंत्री के आजू बाजू प्रगति का एक संसार बसता रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पुनः सडक़ परिवहन के खाके में सरकारी बसों की पेशकश में कुछ इजाफा किया है। शक्ति पीठों के लिए 15 फीसदी कम किराए पर बसें उपलब्ध करवा कर एक ऐसी परिकल्पना कर रहे हैं, जो पर्यटन के पहलू को तसदीक करता है। पर्यटन, परिवहन तथा कला संस्कृति विभाग अगर एक दूसरे के साथ मिलकर समन्वित योजनाएं बनाएं तो बिखरी हुई क्षमताओं का जोड़ सशक्त होगा। कहना न होगा कि हिमाचल के पर्यटन को सडक़ परिवहन की दृष्टि से मजबूत करें, तो कई परिकल्पनाएं अपना काम करेंगी। उदाहरण के लिए धार्मिक पर्यटन की जिम्मेदारी में एचआरटीसी खुद में सैलानियों को ढोने का जज्बा पैदा करे, तो न केवल बाहरी श्रद्धालु हिमाचल आने के लिए सरकारी बसों की सुविधा में अपना कार्यक्रम बनाएंगे, बल्कि प्रदेश के लोगों के लिए भी राष्ट्र दर्शन के कई रूट सुविधाजनक होंगे। चिंतपूर्णी से राजस्थान के खाटू श्याम तथा नादौन-वृंदावन जैसे रूट ऐसी ही पर्यटन परिकल्पना का मार्ग प्रशस्त करते हैं। एचआरटीसी को दिल्ली व चंडीगढ़ में अपने अलग से डिपो विकसित करके इनका पर्यटन परिवहन डिपो के रूप में संचालन करना चाहिए।

परिवहन की एक परिधि अगर पड़ोस के पर्यटन केंद्रों से जुड़े, तो न केवल एचआरटीसी बसें पर्यटन ब्रांड बन सकती हैं, बल्कि अपने साथ निजी बसों के नेटवर्क को जोडक़र ब्रांड हिमाचल को भी मजबूत करेंगी। प्रदेश में पर्यटन की खोज में निजी वोल्वो बसों की अहमियत को नजरअंदाज करने के बजाय इन्हें किसी न किसी रूप से एचआरटीसी की व्यवस्था से जोडऩा होगा। या तो एचआरटीसी की अंतरराज्यीय बसें निजी कंपनियों के सहयोग से अपनी मार्केटिंग का ढर्रा बदलें या निजी वोल्वो बसों की प्रणाली से सीखते हुए फ्लीट संचालन में परिवर्तन लाए। प्रमुख सडक़ों पर एचआरटीसी व हिमाचल पर्यटन को मिल कर हाई-वे टूरिज्म के ऐसे पक्ष को नया मोड़ देना चाहिए, जिससे आने वाले सैलानियों के लिए मंजिलें बढ़ सकती हैं। इसी तरह चंडीगढ़-दिल्ली के बीच किसी केंद्रीय स्थल पर एचआरटीसी पर्यटकों व यात्रियों की सुविधा के लिए रिजार्ट व विश्राम स्थल बनाएं, लेकिन इसी के साथ हिमाचल को क्षेत्रीय परिवहन का नेतृत्व करते हुए पंजाब-पेप्सू रोडवेज, सीटीयू और हरियाणा रोडवेज को बदले में हिमाचल के मुख्य मार्गों पर ऐसे ही रिजार्ट एवं विश्राम स्थल विकसित करने को योजना लानी चाहिए। हिमाचल पथ परिवहन को अंतरराज्यीय मार्गों के अलावा राज्य के भीतर भी खुद को पर्यटन परिवहन की जरूरतों में पारंगत करना होगा। मसलन प्रदेश के धार्मिक स्थलों को जोड़ते हुए विभिन्न पर्यटक क्षेत्रों से देवी दर्शन बसें व प्रमुख पर्यटक स्थलों पर साइट सीइंग के लिए एचआरटीसी अपनी क्षमता व निरंतरता से माहौल में परिवर्तन ला सकती है।

प्रदेश के तीन हवाई अड्डों पर आ रही उड़ानों की सफलता के लिए सैलानियों की ग्राउंड हैंडलिंग में एचआरटीसी को शिमला से जुब्बलहट्टी, मकलोडगंज से गगल तथा मनाली से भुंतर एयरपोर्ट्स के लिए पूर्व निर्धारित किराए पर बस सेवाएं शुरू करनी चाहिए। शिमला से दिल्ली-धर्मशाला उड़ानों की सफलता के लिए एचआरटीसी की ऐसी सेवा उत्प्रेरक का काम करेगी। इसी के साथ चंडीगढ़, अमृतसर और दिल्ली हवाई अड्डों के लिए हिमाचल के प्रमुख स्थलों से सीधी वोल्वो बसें शुरू करने की जरूरत है। अंब-अंदौरा से शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन सुविधा में एचआरटीसी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए मकलोडगंज, हमीरपुर व अन्य शहरों से बस सेवाएं जोडक़र इसे ट्रैवल सर्किट के रूप में प्रचारित कर सकती है।

राय

आजाद तोते की रामकहानी

मैंने ही क्या, उस तोते को मेरे पिताजी ने ही पाल रखा था। मेरे घर के पिंजरे में तोता चने की दाल चुगता और पानी पीकर वर्षों से मेरा प्रिय तोता हो गया था। तोता पालने का मुझे शौक भी था और उससे मिलने वाली सूचनाओं से मैं चौकस भी रहता था। तोता भी खुश था, उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं थी। एक दिन कुछ पर्यावरण प्रेमी मेरे घर के बाहर आये और नारेबाजी करने लगे। मैं और मेरी पत्नी घबराये से बाहर आये। देखा तो पंद्रह-बीस लोग हाथों में तख्ती थामे तोते की आजादी के लिये मुझसे मांग कर रहे थे। मैंने छद्म पर्यावरण प्रेमियों से कहा भी कि तोता मेरे पुरखों ने पाला है और वह मेरे यहां आराम से है। लेकिन उन्होंने तोते को नहीं छोडऩे पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। पत्नी और मैं दोनों भौंचक्के रह गये। मैंने पत्नी से पूछा -'बोलो, क्या करें?' पत्नी ने मुझे आंख मारकर कहा -'जनमत का सम्मान करते हुऐ हम तोते को छोड़ देते हैं।' पर्यावरण प्रेमी खुश हो गये और बोले, 'हमारे सामने ही पिंजरे को खोलो और तोते को आजाद करो।' मैं पिंजरा बाहर ले आया और उसका दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलने के बाद भी तोता पिंजरे से बाहर नहीं निकला और पिंजरे में ही शोर मचाने लगा। मैंने पर्यावरण प्रेमियों को विवशता से देखा तो उनमें से एक बोला -'हम आजाद करते हैं इसे।' उसने आगे बढक़र तोता हाथ में पकड़ा और हवा में उछाल दिया। वर्षों से पिंजरे में रहने के कारण तोता भली प्रकार से उड़ नहीं पा रहा था और वह पास के ही एक मकान की छत पर हांफ कर बैठ गया।

हम और पर्यावरण प्रेमी उसकी अगली उड़ान की प्रतीक्षा करने लगे। दस-पंद्रह मिनट बाद तोते ने पंख फैलाये और आसमान में गायब हो गया। पर्यावरण प्रेमी खुश होकर चले गये। लेकिन हमारा मन अवसाद से भर गया। रह-रह कर तोते की याद सता रही थी। उसकी उपयोगिता पर हम इतने निर्भर हो गये थे कि हमें लगा कि अब हमारा जीवन कैसे चलेगा। आखिर में पत्नी ने कहा -'चलो देखते हैं, आगे का जीवन कैसे चलता है। चिंता मत करो, कोई न कोई रास्ता अवश्य निकल आयेगा।' इसी भावना से हम अपना रहा-सहा समय निकालने लगे। सौभाग्य से मैंने वह पिंजरा फेंका नहीं था और उसका दरवाजा खोल रखा था। अचानक एक दिन तोता उड़ता-उड़ता आया और पुनः पिंजरे में आ बैठा। मैं और मेरी पत्नी बहुत खुश हुए कि हमारा तोता हमारे पास वापस लौट आया है। मैंने मरे मन से तोते से कहा -'यार मि_ तुम आ तो गये, लेकिन वे लोग फिर आ जायेंगे और मुझे व्यर्थ में बदनाम करेंगे।' तोता परेशान सा बोला -'नहीं, मैं नहीं जाऊंगा। वे लोग मुझे आजाद करने के बहाने अब अपने पिंजरे में कैद करना चाहते हैं। वे मेरे पीछे पिंजरा लेकर भागे फिर रहे हैं।' तोते की बात सुनकर हम घबरा गये। मैंने कहा -'भाई तुम आकाश में ऊंची उड़ान भरो और गायब हो जाओ। वरना वे लोग इधर आने वाले होंगे।' तोता पिंजरे से बाहर नहीं निकला तो मैंने उसे जीवन सूत्र दिया और कहा -'ऐसा करो मेरे प्यारे मि_ तुम कभी हमारे पिंजरे में तो कभी उनके पिंजरे में रह लो। इससे तुम्हारा जीवन आराम से निकलता रहेगा। वरना वे लोग मुझे और तुम्हें बदनाम कर देंगे।' तोते को मेरी बात समझ में आ गई और बोला -'यह ठीक है, पिंजरे का दरवाजा खुला रखो, उनका शोर सुनकर मैं उनके पिंजरे में जा बैठूंगा।' मुझे भी बात जंच गई कि तोते को आजादी देने का यह सूत्र सबसे सफल है। अभी तोता मेरे यहां ही है। आगे देखते हैं क्या होता है?

पहाड़ों की स्थिरता को विकास की चुनौती

प्रताप सिंह पटियाल

अवैध खनन व अतिक्रमण तथा दिशाहीन निर्माण का शिकार हो रहे पहाड़ों पर भूस्खलन स्थलों की बढ़ती तादाद के कारणों पर वैज्ञानिक मंथन की जरूरत है। बहरहाल कुदरत के आक्रोश से उपजी आपदाओं से सबक लेना होगा, अन्यथा पहाड़ों का तल्ख मिजाज पूरी कायनात के लिए जुल्मत का दौर साबित होगा'

'स्थावराणांहिमालयः', इस प्रसंग का उल्लेख श्रीमद्भागवदगीता के दशवें अध्याय के 25वें श्लोक में हुआ है। इसमें 'श्रीकृष्ण' ने कहा है कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं'। सुखमय जीवन के लिए वेदों में हिमालय की आराधना का उल्लेख भी हुआ है। महाकवि कालीदास ने अपने महाकाव्य 'कुमारसंभव' में हिमालय को 'धरती का मानदंड' तथा 'दुनिया की छत व आश्रय' बताया था। अनादिकाल से पहाड़ आध्यात्मिक चेतना की पुण्यभूमि रहे हैं। प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केन्द्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं। सैकड़ों धार्मिक स्थलों के अलावा कई वैदिक ऋषियों के सदियों पुराने आश्रम आज भी देवभूमि हिमाचल के पहाड़ों पर मौजूद हैं।

पौराणिक ग्रंथों में 'मरूतगणों' को पहाड़ों का देवता कहा गया है। इसीलिए सनातन संस्कृति में पहाड़ों को आस्था की दृष्टि से देखा जाता है। जन्नत का एहसास कराने वाले पहाड़ों पर प्राकृतिक संसाधनों के अथाह भंडार मौजूद हैं। भागदौड़ भरी जीवनशैली में सुकून के लम्हें बिताने के लिए पर्यटकों का आकर्षण पहाड़ ही बनते हैं। अपनी सैकड़ों पारंपरिक संस्कृतियों को समेटे पहाड़ आध्यात्मिक मूल्यों, शांतिपूर्ण माहौल, स्वच्छ वातावरण तथा स्वस्थ जीवनशैली के लिए भी विख्यात हैं। कई प्रजातियों के वन्यजीवों व जंगली जानवरों का कुदरती आशियाना भी पहाड़ हैं। अपनी मजबूती व बुलंदी के लिए विख्यात पहाड़ों का सामरिक महत्त्व बेहद अहम है। देश रक्षा के मद्देनजर पहाड़ सरहदों के पास्वां बनकर एक मजबूत सेना व मुस्तैद सैनिक का किरदार भी अदा करते हैं। सन् 1962 की भारत-चीन जंग में हिमाचल के पहाड़ चीन की पेशकदमी के आगे अभेद्य रक्षा कवच बन गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय क्षेत्रों से होकर गुजरते हैं, लेकिन मौजूदा दौर में हिमालय की आगोश में बसे हिमाचल के पहाड़ों पर रंजो-गम की स्याही सूखने का नाम नहीं ले रही है। बीते कुछ वर्षों से भौतिकतावादी प्रवृत्ति तथा विकास का नकाब ओढ़ चुकी व्यवस्था की पहाड़ों के साथ एक जद्दोजहद चल रही है। आधुनिक मशीनीकरण के प्रहारों से पर्यावरण के दोहन के साथ प्राकृतिक संसाधनों का वजूद मिटाकर तथा बारूदी धमाकों से पहाड़ों को गिराकर निर्माण कार्यों में मशगूल व्यवस्था जब कुछ हद तक कामयाबी हासिल कर लेती है तो प्रकृति विनाश के उस खेल को चहुंमुखी विकास की संज्ञा दी जाती है। परन्तु प्रकृति जब विकराल रूप धारण करके पलटवार करती है तो व्यवस्थाओं

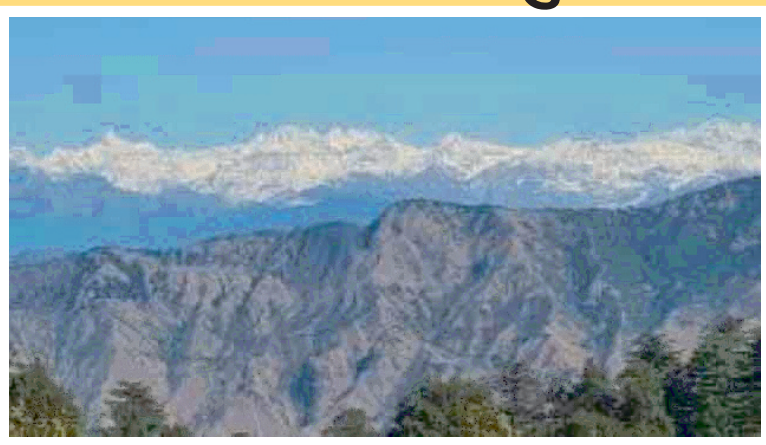

की नाकामी तथा इनसानी गुस्ताखियों को छुपाने के लिए कुदरत के आक्रोश भरे परिणाम को प्राकृतिक आपदा कहा जाता है। पहाड़ों की खूबसूरती को इस आधुनिक विकास की नजर लग चुकी है। मशीनीकरण का यही आत्मघाती विकास पर्वतों के दरकने का नुक्ता-ए-आगाज साबित हो रहा है। हर दरकते पहाड़ की तहरीर एक अफसोसजनक अफसाना लिख रही है। पहाड़ हादसों की वजह बन रहे हैं।

निर्माण कार्यों में बरती जा रही लापरवाही से उपजी दुर्घटनाओं का खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं। भौतिक विकास के खुमार में प्रकृति के सिद्धांतों को नजरअंदाज करना आपदाओं को दावत साबित हो रहा है। लाखों आबादी की प्यास बुझाने वाली कई मुकद्दस नदियों का उद्गम स्थल भी हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में मौजूद है। कई पड़ोसी राज्यों को रौशन करने वाली पनबिजली परियोजनाएं हिमाचल के पहाड़ों पर चल रही हैं। सैकड़ों लोगों की आजीविका बन चुके पर्यटन उद्योग के अलावा पैराग्लाइडिंग, एडवेंचर व ट्रैरिकिंग जैसी गतिविधियों का संचालन भी पहाड़ों पर होता है। देश के कुछ पर्यावरणविदों की कोशिशों से उत्तराखंड राज्य में नौ सितंबर 2010 को 'हिमालय दिवस' मनाने की शुरुआत हुई थी ताकि पहाड़ों के संरक्षण की जागरूकता के लिए लोगों का ध्यान आकर्षित किया जा सके। पहाड़ों की अहमियत को समझते हुए 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' ने ग्यारह दिसंबर का दिन 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' के रूप में मुकर्रर किया है। पेड़-पौधे जंगल व बर्फ से ढकी हसीन वादियों, पहाड़ों का श्रृंगार होते हैं। मगर बेतरतीब तरीके से बढ़ रहा शहरीकरण, धुआं उगलते उद्योग तथा गगनचुंबी मीनारों का अंधाधुंध निर्माण विकास कार्यों का पैमाना बनकर पहाड़ों की जीनत बन रहे हैं। पहाड़ों पर पर्यटकों की भारी भीड़ के साथ बढ़ती आबादी का बोझ, भूस्खलन, सैलाब जैसी चुनौतियों के साथ इनसानी दखलअंदाजी से प्रकृति के हो रहे खिलवाड़ तथा अनियोजित विकास के कहर से पहाड़ बिखर रहे हैं। हाल ही में जोशीमठ के दरकते पहाड़ों की आपदा ने जो पैगाम दिया था, उसे भी गंभीरता से नहीं लिया गया। अतः पहाड़ों का दिलशाद चेहरा बिगाडऩे वाले अंधाधुंध विकास कार्यों पर पर्यावरणविदों की हिदायतों को अमल में लाना होगा। पहाड़ों पर निर्माण कार्यों की संगे बुनियाद से पूर्व भू-वैज्ञानिकों से गहन मशविरा होना चाहिए। पहाड़ों पर निवास करने वाले समस्त जीव-जन्तु व मानव सभ्यता की सुरक्षा के लिए आधुनिक विकास से पहले पहाड़ों का सुरक्षित रहना जरूरी है।

स्मरण रहे इनसानी ऐब-ओ-हुनर को खामोशी से देखने वाली कुदरत अपने स्वाभिमान का नेतृत्व खुद करती है। प्रकृति अपने साथ हो रहे खिलवाड़ का एहतेजाज लफ्जों से नहीं करती, बल्कि एक निश्चित वक्त पर आईने की तरह चेहरे की कैफियत को पूरी तफसील से ब्यान करती है। विनाश को अंजाम देने वाले निर्माण कार्यों की सख्त मुखालफत होनी चाहिए। अवैध खनन व अतिक्रमण तथा दिशाहीन निर्माण का शिकार हो रहे पहाड़ों पर भूस्खलन स्थलों की बढ़ती तादाद के कारणों पर वैज्ञानिक मंथन की जरूरत है। बहरहाल कुदरत के आक्रोश से उपजी आपदाओं से सबक लेना होगा, अन्यथा अपने जमाल से पूरे ब्रह्मांड को अफरोज करने वाले पहाड़ों का तल्ख मिजाज पूरी कायनात के लिए जुल्मत का दौर साबित होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में सुरक्षित जीवन जीने के लिए पहाड़ों को महफूज रखने की कवायद तेज करनी होगी। हर बरसात में पुलों व सडक़ों का सैलाब में बह जाना चिंताजनक विषय है।

चिंतन

संसद सत्र एजेंडे के बिन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय और प्रवक्ता का कहना है कि संसद का सत्र 18-22 सितंबर को बुलाया गया है, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत कई मंत्री और पार्टी प्रवक्ता इसे 'विशेष सत्र' करार दे रहे हैं। यह राष्ट्रपति के कथन और निर्णय में 'अतिक्रमण' है और महामहिम तथा केंद्र सरकार के बीच विरोधाभास भी है। हमने यह स्थिति पहली बार देखी और महसूस की है। विपक्ष में सोनिया गांधी और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं का भी मानना है कि सरकार ने संसद के 'विशेष सत्र' का निर्णय मनमुताबिक लिया है। विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया गया। दरअसल भारत सरकार के परामर्श पर ही राष्ट्रपति ने संसद सत्र आहूत किया है। बहरहाल इस असमंजस से बाहर निकलते हुए हम मानते हैं कि पांच दिन का संसद सत्र बुलाया गया है। यदि यह 'विशेष सत्र' है, तो कमोबेश मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए था कि किस 'विशेषता' के तहत यह सत्र बुलाया गया है, जबकि मानसून सत्र 11 अगस्त को ही 'अनिश्चितकाल के लिए स्थगित' किया गया था। संसद का शीतकालीन सत्र भी नवम्बर के अंत अथवा दिसंबर के शुरू में बुलाया जाता है। उस दौरान कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा राजनीतिक दलों के केंद्रीय नेता भी चुनाव-प्रचार में व्यस्त होंगे। क्या इसी के मद्देनजर यह 'विशेष सत्र' बुलाया गया है? क्या शीतकालीन सत्र नहीं होगा? इन सवालों के संदर्भ में कहा जा सकता है कि संपूर्ण सत्र की तुलना में पांच दिवसीय सत्र पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि विधायी कार्य लटके रहेंगे! चूंकि प्रस्तावित सत्र में 'शून्यकाल' और 'प्रश्नकाल' सरीखी संवैधानिक व्यवस्थाओं को अनुपस्थित रखा गया है, लिहाजा सवाल उठता है कि क्या सत्र वाकई 'विशेष' है? यदि ऐसा है, तो उसका विशेष एजेंडा सार्वजनिक करने में दिक्कत क्या है?

यह भी परंपरा रही है कि कोई विधेयक पेश करने से पहले कमोबेश विपक्ष के सदनीय नेताओं को मसविदा जरूर मुहैया कराया जाता रहा है, ताकि उसका समुचित अध्ययन वे कर सकें और संसद में अपने संशोधन पेश कर सकें। 'विशेष सत्र' का एजेंडा गोपनीय अथवा सनसनीखेज

बनाने के लाभ क्या हैं? उससे सरकार की कौन-सी खुफियागीरी खंडित होगी? यदि 'विशेष सत्र' में 'एक देश, एक चुनाव' या 'महिला आरक्षण बिल' अथवा 'भारत नामकरण' सरीखे प्रस्ताव पेश किए जाने हैं, तो इनमें 'विशेष जल्दबाजी' की जरूरत क्या थी कि संसद सत्र आनन-फानन में बुलाना पड़ा? यदि सरकार 'चंद्रयान-3', 'आदित्य एल-1' और 'जी-20 शिखर सम्मेलन' सरीखी अमृत-काल की उपलब्धियों पर संसद का 'शाबाश प्रस्ताव' पारित कराना चाहती है, तो इस कार्य-सूची को सार्वजनिक करने में परेशानी क्या है? कौन-सी गोपनीयता भंग हो सकती है? दरअसल मोदी सरकार की यह प्रवृत्ति बन गई है कि वह अत्यंत सामान्य फैसले को भी सनसनीखेज बना कर पेश करती है। प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' वही जानते हैं, इस पर सरकार और भाजपा बड़ा 'महान' महसूस करती है। लोकतंत्र ऐसे नहीं चला करते। लोकतंत्र में सभी की भागीदारी और सोच बेहद जरूरी है। मौजूदा संदर्भ में हमें लगता है कि संसदीय कार्य मंत्री को भी जानकारी नहीं है कि 'विशेष सत्र' क्यों बुलाया गया है, लिहाजा वह टालू से जवाब दे रहे हैं। शायद प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि 'जी-20 शिखर सम्मेलन' के समापन के बाद ही कुछ घोषणा की जाए! हालांकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर शिकवा किया है कि 'विशेष सत्र' विपक्ष से पूछे बिना ही आहूत किया गया है। यह संसद की स्थापित परंपराओं के विरुद्ध है। अलबत्ता उन्होंने चर्चा के लिए 9 बिंदु सुझाए हैं। ये ऐसे बिंदु हैं, जिन पर मानसून सत्र के दौरान बहस हो सकती थी, लेकिन विपक्ष और सरकार अपने-अपने नियमों पर अड़े रहे और सत्र लगभग धुल गया। चूंकि मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था, लेकिन फिर भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, मणिपुर और सांप्रदायिक हिंसा पर कोई ठोस बहस सामने नहीं आई। हालांकि सूचना मंत्री अनुराग ठाकुर 'भारत नामकरण' पर तमाम अफवाहों का खंडन कर चुके हैं, तो भी उम्मीद करते हैं कि अभी सत्र में 10 दिन शेष हैं। शायद सरकार सत्र की विशेषता का खुलासा कर दे!

इनसाइड

बैंकों को मिली राहत, RBI चरणबद्ध तरीके से हटाएगा I-CRR, जानिए केंद्रीय बैंक ने आज क्या लिया फैसला

आरबीआई द्वारा 19 मई को 2000 रुपये के नोट को बंद करने के निर्णय के बाद घरेलू बैंकों में तरलता बढ़ गई और इसे नियंत्रित करने के लिए RBI ने ICRR की शुरुआत की। कल शनिवार से इसे चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। जानिए आरबीआई ने आज क्या लिया फैसला बैंकों को क्या होगा फायदा।

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 19 मई को 2000 रुपये के नोट को परिचलन से बंद करने के फैसले के बाद देश के बैंकों में कैश बढ़ गया था जिसे कंट्रोल करने के लिए आरबीआई ने इंक्रीमेंटल कैश रिजर्व रेश्यो (ICRR) लागू किया था जो अब कल यानी शनिवार से चरणबद्ध तरीके से बंद होगा।

आरबीआई I-CRR इसलिए लगाती है ताकी नकदी को कम किया जा सके।

आरबीआई ने आज क्या लिया फैसला?

आज की घोषणा में, केंद्रीय बैंक ने आईसीआरआर को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की पुष्टि की। फैसले के मुताबिक आईसीआरआर 7 अक्टूबर तक पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा।

इससे पहले, शनिवार 9 सितंबर को ICRR को 25 प्रतिशत से कम किया जाएगा। इसके बाद 23 सितंबर को ICRR का 25 फीसदी और हटा दिया जाएगा। बाकी का 50 प्रतिशत 7 अक्टूबर को हटाया जाएगा।

क्या है आईसीआरआर?

इंक्रीमेंटल कैश रिजर्व रेश्यो (ICRR) से पहले आपको सीआरआर यानी कैश रिजर्व रेश्यो के बारे में जानना चाहिए। सीआरआर आरबीआई के मौद्रिक नीति उपकरण का हिस्सा है। इसका लक्ष्य सिस्टम में नकदी की आपूर्ति और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना है।

जब भी बैंक में नकदी का भंडार तेजी से बढ़ जाता है। इस स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक सीआरआर के साथ अतिरिक्त आईसीआरआर शुरू करती है। आईसीआरआर, सीआरआर के ऊपर कैश रिजर्व लिमिट होती है

जो जमा के आकार में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाती है। इस वजह से बैंकों को रिजर्व बैंक में पहले से ज्यादा नकदी रखनी होती है।

बैंक पर क्या पड़ेगा इसका इसका असर?

जैसा हमने अभी आपको बताया कि आईसीआरआर के कारण बैंकों को आरबीआई को पास ज्यादा कैश जमा करवाना पड़ता है जिससे बैंकों के पास लोन देने के लिए कम पैसा बचता है।

लगातार कम हो रहे विदेशी मुद्रा भंडार पर लगा ब्रेक

1 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 4.03 बिलियन डॉलर बढ़ा रिजर्व

परिवहन विशेष

पिछले दो सप्ताह से लगातार गिर रहा भारतीय खजाना 1 सितंबर को समाप्त सप्ताह में बढ़ गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि 1 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.039 अरब डॉलर बढ़कर 598.897 बिलियन डॉलर हो गया। आपको बता दें कि पिछले दो रिपोर्टिंग हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिली थी।

नई दिल्ली: पिछले दो हफ्ते से लगातार कम हो रहा भारतीय खजाना 1 सितंबर को समाप्त हफ्ते में बढ़ा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि 1 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.039 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 598.897 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

पिछले हफ्ते कितनी हुई थी गिरावट?

आपको बता दें कि पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल विदेशी मुद्रा भंडार 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 594.858 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था।

इस वक्त भारत के पास भरा हुआ था खजाना

अक्टूबर 2021 में, देश की विदेशी मुद्रा भंडार 645 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर थी लेकिन इसके बाद आरबीआई ने ग्लोबल स्तर पर रुपये को गिरने से बचाने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च किया था जिसके कारण भारत का विदेशी मुद्रा भंडार कम हुआ था।

विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा संपत्ति 1 सितंबर के समाप्त सप्ताह में 3.442 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 530.691 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

सोने के खजाने में भी हुआ इजाफा

आरबीआई ने कहा कि सोने का भंडार 584 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 44.939 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 18.195 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गए।

1 सिंतबर के समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ देश की रिजर्व स्थिति भी 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 5.073 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

क्या होता है विदेशी मुद्रा भंडार?

विदेशी मुद्रा भंडार ऐसी संपत्तियां हैं जो किसी देश के केंद्रीय बैंक के पास होती हैं। यह संपत्तियां आम तौर पर अमेरिकी डॉलर और कुछ हद तक यूरो, जापानी येन और पाउंड स्टर्लिंग में रखा जाता है।

देश क्यों रखते हैं विदेशी मुद्रा भंडार?

विदेशी मुद्रा भंडार रखने के पीछे उद्देश्यः

मौद्रिक और विनिमय दर प्रबंधन के लिए नीतियों का समर्थन करना और उनमें विश्वास बनाए रखना

सोने की कीमत में आई तेजी, खरीदने से पहले जान लें आपके शहर में क्या है 10 ग्राम गोल्ड की कीमत

कल सोने की कीमतों में गिरावट के बाद आज सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालांकि आज चांदी की कीमतें स्थिर रहीं। सोने की कीमत में बढ़ोतरी के बाद यह जानना जरूरी है कि आज आपके शहर में 10 ग्राम सोने की कीमत क्या है। आज विदेशी बाजार में सोना 1923 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था

नई दिल्लीः कल आई सोने की कीमतों में गिरावट के बाद आज गोल्ड की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। हालांकि सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमतें स्थिर रही।

सोने की कीमतों में आई तेजी के बाद आपके लिए यह जानना जरूरी है की आज आपके शहर में 10 ग्राम सोने की कीमत क्या है।

कितना महंगा हुआ गोल्ड?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, विदेशी बाजारों में मजबूत संकेतों के बीच आज दिल्ली में सोने की कीमत 100 रुपये बढ़कर 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं पिछले कारोबारी दिन में सोने भाव 60,050 रुपये प्रति दस ग्राम था।

आज कितने रुपये किलो मिल रही है चांदी?

चांदी के भाव में आज कोई इजाफा देखने को नहीं मिला है। आज चांदी का भाव स्थिर रहा है जो 74,100 रुपये प्रति किलोग्राम है। ग्लोबल मार्केट में आज चांदी 23.02 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।

आपके शहर में क्या है 10 ग्राम सोने की कीमत?

गुड रिटर्न वेबसाइट के अनुसार महानगरों सहित अन्य शहरों में गोल्ड की कीमत इस प्रकार हैः

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,150 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,150 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,000 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,330 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,000 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,000 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,000 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,050 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,050 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 60,150 रुपये है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने देश भर के 6 हजार से अधिक एटीएम में शुरू की UPI ATM की सुविधा, ऐसा करने वाला बना पहला बैंक

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने हाल ही में लॉन्च हुए यूपीआई एटीएम को देश भर में 6000 से अधिक एटीएम में यह सुविधा दे दी है। आपको बता दें कि यूपीआई एटीएम में ग्राहकों को डेबिट कार्ड की जरूरत नहीं पड़ती है। ग्राहक बस अपने फोन से ही एटीएम स्क्रीन पर एक बार उपयोग में आने वाले QR कोड को स्कैन कर कैश निकाल सकते हैं।

नई दिल्ली : देश में ऑनलाइन पेमेंट में क्रांति लाने वाला यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) अब अपने शानदार फीचर के साथ देश में एटीएम ट्रांजैक्शन की तस्वीर बदलने को तैयार है या यूं कहें कि बदलाव शुरू हो गया है।

यही कारण है कि अभी हाल ही में 5 सितंबर को लॉन्च हुए यूपीआई एटीएम (UPI ATM) को सरकारी बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने देश भर के अपने 6,000 से अधिक एटीएम में यह सुविधा शुरू कर दी है। यूपीआई एटीएम की यह सुविधा भारत के फ्यूचर फिनटेक के उज्ज्वल भविष्य की बस शुरुआत भर है।

देश का पहला सरकारी बैंक बना बीओबी

आपको बता दें कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के समन्वय से यह सुविधा शुरू करने वाला बैंक ऑफ बड़ौदा देश का पहला सरकारी बैंक बन गया है।

इस सुविधा के बाद ग्राहक अब बिना डेबिट कार्ड के यूपीआई के माध्यम में एटीएम से कैश निकाल पाएंगे। यूपीआई एटीएम सुविधा का एक बड़ा फायदा यह है कि ग्राहक यूपीआई से जुड़े कई खातों से कैश निकाल सकते हैं।

डिटेल में समझिए क्या है यूपीआई एटीएम?

यूपीआई-एटीएम एक ऐसा एटीएम है जिसमें आपको कैश निकाले के लिए डेबिट कार्ड की जरूरत नहीं पड़ती। यह एटीएम आपको कार्डलेस कैश निकासी की सुविधा देता है। यह एक व्हाइट लेबल एटीएम है।

व्हाइट लेबल एटीएम का स्वामित्व और संचालन गैर-बैंकिंग संस्थाओं द्वारा किया जाता है। इन एटीएम में ग्राहक अपने यूपीआई खातों का उपयोग करके बिना एटीएम या डेबिट कार्ड के बड़ी आसानी से कैश निकाल सकते हैं।

कैसे निकालें कैश?

आपको सबसे पहले यूपीआई एटीएम पर ₹UPI नकद निकासी₹ ऑप्शन को सलेक्ट करना होगा।

फिर आप उस राशि को चुने जो आपको एटीएम से निकालना है।

राशि चुनने के बाद आपको एटीएम की स्क्रीन पर एक बार इस्तेमाल होने वाला क्यूआर (QR) कोड दिखाई देगा।

इसके बाद आपको अपने फोन पर किसी भी यूपीआई ऐप से स्क्रीन पर क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा।

स्कैन करने के बाद आप अपना यूपीआई पिन डाले और बस इतना करते ही एटीएम से कैश बाहर आ जाएगा।

हफ्ते भर बाजार में रही तेजी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, बीएसई लिस्टेड कंपनियों का mCap हुआ 320.94 लाख करोड़

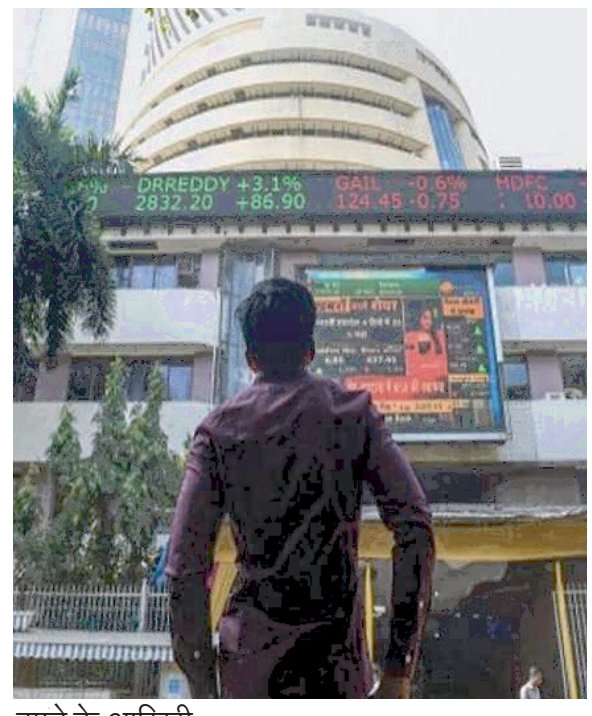

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार 8 सितंबर को बाजार में लगातार छठे दिन तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण आज बढ़कर 320.94 करोड़ के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। आपको बता दें कि आज सेंसेक्स 333.35 अंक उछलकर 66598.91 पर बंद हुआ। 31 अगस्त के बाद से अब तक सेंसेक्स 2.72 फीसदी चढ़ चुका है।

नई दिल्लीः हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार 8 सितंबर को बाजार में लगातार छठे दिन तेजी देखने को मिली। बाजार में जारी इस तेजी के कारण आज कारोबारी समय के अंत तक बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) शुक्रवार बढ़कर 320.94 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया।

आज कितना उछला सेंसेक्स?

आज बीएसई सेंसेक्स 333.35 अंक या 0.50 प्रतिशत उछलकर 66,598.91 पर बंद हुआ। आपको बता दें कि 31 अगस्त के बाद से बेंचमार्क इंडेक्स 1,767.5 अंक या 2.72 फीसदी चढ़ा है।

बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,20,94,202.12 करोड़ रुपये के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

समाचार एजेंसी पीटीआई से कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष तकनीकी अनुसंधान, अमोल अठावले ने कहा कि

निवेशक उन कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा रहे हैं जो आगे चलकर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभा सकती हैं।

सेंसेक्स के टॉप गेनर और लूजर

एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक टॉप गेनर रहे तो वहीं आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर टॉप लूजर रहे।

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रशांत तापसे ने कहा कि

कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद बाजार में लगातार छठे सत्र में तेजी जारी रही, क्योंकि निवेशक भारत की मजबूत विकास संभावनाओं को लेकर आशावादी बने हुए हैं।

किस सेक्टर में कितनी तेजी?

रियल्टी 2.13 फीसदी उछला, पूंजीगत वस्तुएं 1.51 फीसदी, बिजली (1.48 फीसदी), तेल और गैस (1.43 फीसदी), उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं (1.35 फीसदी) और ऊर्जा (1.33 फीसदी) चढ़े। वहीं कमोडिटीज, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर आज लाल निशान पर थे।

कैसा रहा अन्य बाजारों का हाल

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख पर बंद हुआ।

अब लोन लेने के लिए नहीं जाना होगा बैंक, घर बैठे ही ले सकते हैं डिजिटल लोन, जानिए कैसे करें आवेदन

डिजिटल लोन आज के समय में देश जितना डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ रहा है उतना ही लोगों को कई तरह की सुविधा भी मिल रही है। अब ग्राहक घर बैठे डिजिटल लोन ले सकते हैं। वहीं कुछ समय पहले लोन लेने के लिए ग्राहकों को बैंक के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आप डिजिटल लोन के लिए कैसे आवेदन दे सकते हैं।

नई दिल्ली। तकनीक के बढ़ जाने से लोगों के कई काम अब आसानी से हो जाते हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है बैंकिंग सर्विस। इस समय बैंक से कैश निकालने से लेकर कई और कामों के लिए बैंक जाना पड़ता था। अब ऑनलाइन हम लगभग बैंकिंग की हर सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

अब आप डिजिटल लोन (Digital Loan) भी ले सकते हैं। कई लोग डिजिटल लोन को लेकर काफी कंफ्यूज होते हैं तो आपको बता दें कि डिजिटल लोन होता है जब आप डिजिटल माध्यम के जरिये कोई पर्सनल लोन लेते हैं। यह एक तरह का पेपरलेस लोन होता है। आप डिजिटल प्लेटफॉर्म या फिर ऐप के जरिये जो लोन लेते हैं वह सुरक्षित होता है। आइए, जानते हैं कि डिजिटल लोन के फायदे क्या है?

डिजिटल लोन के फायदे

इसमें आपको बैंक या फिर कोई फाइनेंशियल संस्था जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। ऐसे में यह आपके काफी टाइम सेव करता है। इसके अलावा इस लोन के लिए आवेदन देना काफी आसान है और आप को लोन का अप्रूवल तुरंत हो जाता है।

कैसे करें अप्लाई

आपको सबसे पहले वो बैंक या फिर फाइनेंशियल संस्था को सिलेक्ट करें, जिससे आप लोन लेना चाहते हैं। आप उनके अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन दे सकते हैं। आवेदन करते समय आपको नाम, पता, आमदनी जैसे कई जानकारी दर्ज करनी होगी।

इसके अलावा आपको आधार कार्ड (Aadhaar Card), पैन कार्ड (Pan Card), बैंक स्टेटमेंट, इनकम सर्टिफिकेट जैसे कई डॉक्यूमेंट को अपलोड भी करना होगा।आपको डिजिटल हस्ताक्षर की भी परमिशन देनी होगी। आपके आवेदन करने के बाद जैसे ही अप्रूवल मिल जाता है उसके बाद आपके अकाउंट में लोन की राशि आ जाएगी।

डिजिटल लोन कितना सुरक्षित

वैसे तो डिजिटल लोन काफी सुरक्षित होता है, लेकिन ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्था से लोन ले रहे हैं। ऐसे में आपको कभी भी लोन के लिए आवेदन करते समय अधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यह साइबर सुरक्षा के लिए काफी जरूरी है।

आप जब भी कोई जानकारी दें तो आपको काफी ध्यान देना चाहिए। आप अपने फोन या कंप्यूटर पर साइबर सुरक्षा को अपडेट रखें। ऐसे में आप सुरक्षित रूप से डिजिटल लोन ले सकते हैं।

नबीन बाबू के 15 दिन में मत बदल जाते है - बिधायक सौम्य पटनायक

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर। बिधायक सौम्य रंजन पटनायक उनका न्यूज़ पेपर (सम्बाद) सम्पादकीय मे 5टी सचिब की बारे में लिखा । इसी को ले कर बिजेड़ी बिधायक और मंत्री बिधायक सौम्य रंजन पटनायक को बिरोध कर के कहा ए लोग दल बदली नीजी स्वार्थ केलिए कर रहा है।मंत्री पद मिला नहीं इसीलिए 5टी सचिब की बिरोध मे सम्पादकियाँ में लिखा ।

विधायक सौम्यराज पटनायक ने पार्टी बदलने के मुद्दे पर कड़ा जवाब दिया. वह इतनी बार टीमें क्यों बदल रहे हैं, इस सवाल पर सौम्या का जवाब. सौम्या ने कहा कि विचारों का परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है. नवीन बाबू 15 दिन में एक बार अपना मन बदल रहे हैं. उन्होंने कहा, "1999 में केंद्र के विरोध के बाद वोट के दौरान क्या हुआ?" अबी नबीन बाबू केंद्र सरकार को मदत करने केलिए आगे आ जाते है । उनका नारा था समदुरता लेकिन पार्लियामेंट मे हर बिल पर बिजेड़ी दल बीजेपी का साथ देते है । ओड़िशा मे महिला सुरख्या पर बोलते है लेकिन मणिपुर महिला दुष्कर्म मुदा पर केंद्र सरकार को समर्थन दिया ।

माननीय वरिष्ठ अधिकारी के आदेशानुसार स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट के चल रहे कार्यक्रम के तहत सब इंस्पेक्टर गुरुमीत सिंह प्रभारी सैंज सेंटर सेंट्रल अमृतसर

अमृतसर। साहिल बेरी। एएसआई दिलबाग सिंह, एच. सी। गुरचरण सिंह द्वारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढपई में एसपीसी विद्यार्थियों के साथ सेमिनार करवाया गया, जिसमें नशे के दुष्परिणाम, 181 112 हेल्प डेस्क, बढ़ते साइबर क्राइम, ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी दी गई। और पुलिस पब्लिक शाज्के बारे में बताया गया, इसके अलावा सांझ केंद्र में दी जाने वाली जदिया सेवाओं और सीईआईआर ऐप गायब मोबाइल ट्रैकर के बारे में भी जानकारी दी गई। इस सेमिनार में स्कूल प्रिंसिपल जसप्रीत कौर, एस. पीसी शिक्षक सुनील कुमार भी उपस्थित थे जिन्होंने छात्रों को एसपीसी कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया।

ये सेवा संस्थान एक नई दिशा देगा, एक नई प्रेरणा देगा : बिरला

पांच घण्टे देर से कारोई पहुँचे लोकसभा अध्यक्ष बिरला, बोले लोकसभा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार लेट हुआ

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। बागोर भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्ठमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस कृष्णजन्माष्ठमी गुरुवार का ये दिन ज्योतिष नगरी कारोई वासियों के लिए हमेशा-हमेशा के लिए एक यादगार पल बन गया। ये मौका था देश की लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला का ज्योतिष नगरी कारोई में आने और बरसते मेघमल्हार के बीच गुलाब पुष्प की पंखुड़ियों की बौछार के साथ कारोई वासियों ने जयश्रीराम, जयमहेश, मोदी-मोदी के नारों संग जोशखरोश व उत्साह के साथ ढोल नगाड़े और बैंडबाजों की धुन पर शाही लाव लश्कर के साथ-साथ जनता के बीच कदमताल करते हुए अध्यक्ष बिरला को मंच तक पहुँचाने का। हालांकि अध्यक्ष बिरला का तय समय दोपहर 3 बजे का था और हेलीकॉप्टर से आने का था। परंतु कुछ कारणो के चलते वो अपने नियत समय से 5 घण्टा देरी से कारोई कार से पहुँचे। बहरहाल जनता ने फिर भी 5 घण्टे बिरला का इंतजार किया और बरसती बारिश में भी गुलाब पुष्पों से भव्य स्वागत सत्कार करते हुए उनके उद्धबोधन को तन्मयता के साथ सुनते हुए करतल ध्वनियों से बिरला का आभार प्रकट किया।

सुमित्रा देवी बाबू लाल काबरा माहेश्वरी सेवा संस्थान कारोई के लोकार्पण समारौह में बतौर मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने उद्धबोधन में कहां की ये सेवा संस्थान एक नई दिशा देगा, एक नई प्रेरणा देगा साथ ही सभी जातियों के लोगों के लिए ये भवन बहुउपयोगी साबित होगा। बिरला ने कहा की ग्राम पंचायत स्तर पर तहसील स्तर पर सभी दानदाताओं को इसी तरीके से आगे आकर जन सहयोग करके सामुदायिक भवन, अस्पताल, प्याऊ, धर्मशाला, अन्न भण्डार इत्यादि बहुउपयोगी संस्थानों का निर्माण करना चाहिए क्यों कि ये हमारी पुरातन संस्कृति भी हैं। बिरला ने कहां की आजादी के बाद गांवों के विकास के लिए लोग सामूहिक रूप से बैठकर अपने कमाए हुए धन को जनसमाज में बहुउपयोगी सेवाओं में समर्पित करते आये हैं।

उन्होंने कहा कि जब सरकारें स्कूल नहीं बनाती थी, जब सरकारें अस्पताल नहीं बनाती थी, जब सरकारें सामुदायिक भवन नहीं बनाती थी तब इस तरह से गांवों के लोग अपने धन का सदुपयोग करते हुए समाज को समर्पित करते थे। ये कारोई का सामुदायिक भवन भी इसी तरह की एक मिशाल हैं जो सालोंसाल तक प्रेरणा देता रहेगा। बिरला ने संस्थान कमेटी के सदस्यों के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में कमेटी के कई सदस्य मैंरे से मिलने 6 बार कोटा व नई दिल्ली आये। उसके बाद कई बार प्रोग्राम बने कई बार निरस्त हुए तब जाकर ये 7 सितंबर जन्माष्टमी का कार्यक्रम तय हुआ। बिरला ने अपने उद्धबोधन में देर से आने का कारण स्पस्ट करते हुए आमजन को कहां की लोकसभा अध्यक्ष बनने के बाद चार सालों में कभी किसी कार्यक्रम में लेट नहीं हुआ मगर ये मैंरा पहला कार्यक्रम हैं जिसमें मैं 5 घण्टे लेट हुआ और वो भी किसी व्यवधान के कारण। इसके बाद बिरला ने कहां की ये सेवा संस्थान केवल भवन नहीं इससे लोगों को सामुदायिक सुविधाएं मिलेगी और गांव में शहर जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भी होगी। उन्होंने एक तंज में कहां की इस तरह के

विकास कार्य सरकारें भी करवा सकती हैं मगर सरकार को नकद बांटने के बाद कुछ बचेगा तभी तो विकास करेगी जब सरकार नकद ही इतना बांट देगी तो फिर देश में विकास कैसे होगा ये एक चिंता का विषय हैं और सोचने वाली बात हैं

मेघमल्हार में बरसती बरसात के बीच खड़े समाजजन व ज्योतिष नगरी कारोई वासियों के प्रेम-प्यार को देख बिरला ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट किया। और अंत में अपने उद्धबोधन में कहां की गांव के लोग अपने रोजगार के लिए भले ही दूर दराज बाहर कही भी जाकर धन कमाए मगर वो अपनी माटी से जुड़े रहकर अपनी संस्कृति से जुड़े रहकर अपनी माटी पर विकास की लगन रखते हुए इस तरह के बहुउपयोगी कार्यो में अपना धन खर्च करते हैं जो कोई विरले परिवार या लोग ही कर सकते हैं। अपने 10 मिनिट के उद्धबोधन और 30 मिनिट समाजजनों के स्वागत सम्मान और उन्हें मोमेंटो भेंटकर सम्मानित करने के 45 मिनिट पश्चात अध्यक्ष बिरला सुमित्रा देवी बाबू लाल काबरा माहेश्वरी सेवा संस्थान का लोकार्पण करने कस्बे में स्थित हनुमानजी मन्दिर चौक पहुँचे। जहां पण्डित वासुदेव शर्मा ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ उनकी अगवानी की वही आकांक्षा सोमानी ने मस्तक तिलक लगा पुष्पगुच्छ भेंटकर बिरला का स्वागत किया। वही बतौर

मुख्यअतिथि बिरला ने सर्व प्रथम मुख्य दरवाजे पर बंधा रिबिन खोला तद्पश्चात अंदर भगवान गजानन जी महाराज व महेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर लोकार्पण पट्टिका से पर्दा हटाकर 3 करोड़ की लागत से बने सेवा संस्थान को आमजन के लिए समर्पित किया।

इस लोकार्पण समारौह का मंच संचालन रमेश चन्द्र बहेड़यि व डाँक्टर देवेन्द्र कुमावत ने किया तो कारोई उपनिरीक्षक हंसपाल सिंह मय जाप्ते और अन्य दलों ने सुरक्षा व्यवस्था को अंजाम दिया। जबकि इस समारौह को सफल बनाने में जगदीश काबरा, राधेश्याम मालीवाल, शंकर लाल बहैड़यि व रामधन सोमानी सहित माहेश्वरी युवा टीम का योगदान रहा

इन्होंने भी की शिरकत और दिये अपने उद्धबोधन

माहेश्वरी सेवा संस्थान कमेटी के मंत्री रामधन सोमानी ने बताया कि लोकार्पण समारौह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नई दिल्ली थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भीलवाड़ा सांसद सुभाष चन्द्र बहेड़िया ने की।

मंत्री सोमानी ने बताया कि वही विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश महामंत्री भाजपा दामोदर अग्रवाल, पूर्व मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, स्थानीय विधायिका गायत्री कैलाश त्रिवेदी, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, मुख्य भामाशाह बाबू लाल काबरा, जगदीश चन्द्र काबरा, प्रहलाद सोमानी ने मंच साझा किया। जबकि इसके अलावा पूर्व क्षेत्रीय विधायक डाँक्टर बालूराम चौधरी, सरपंच भगवती लाल टेलर व आसपास की पंचायतो से पधारे सरपंच, प्रबुद्धजनों ने भी लोकसभा अध्यक्ष बिरला का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर कारोई से 50 किलोमीटर क्षेत्र के 87 गांवों से पधारे आमंत्रित माहेश्वरी समाज के प्रबुद्धजन एवं ज्योतिष नगरी कारोईवासियों सहित आसपास के गांवों से आये अन्य लोग भी मौजूद रहे। जिनका स्नेहभौज राजकीय विद्यालय में ही रखा गया था।

G-20 रात्रिभोज के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों डॉ मनमोहन सिंह और एच डी देवेगौड़ा को आमंत्रित किया

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। G-20 रात्रिभोज के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रण नहीं। किसी अन्य राजनीतिक दल के प्रमुख को भी निमंत्रण नहीं। सभी मुख्यमंत्री, कैबिनेट और राज्य मंत्री, सचिव तथा प्रमुख हस्तियां आमंत्रित।

G-20 बैठक का उपयोग आपसी रिश्तों को प्रगाढ़ करने के लिए भी हो रहा है। पीएम मोदी 15 राष्ट्र प्रमुखों से द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। अमेरिका, बांग्लादेश, मॉरीशस, यूके, जापान, जर्मनी, इटली, फ्रांस, कनाडा, कोमोरोस, तुर्किए, यूएई, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, ईयू और नाइजेरिया के साथ होंगी।

यह पहली बार है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्य देशों

की भारत मेजबानी कर रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व नेताओं के साथ 15 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। 8 सितंबर को पीएम मोदी मॉरीशस, बांग्लादेश और अमेरिका के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। 9 सितंबर को जी20 बैठकों के अलावा पीएम मोदी यूके, जापान, जर्मनी और इटली के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और 10 सितंबर को पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ वर्किंग लंच मीटिंग करेंगे। वह कनाडा के साथ एक अलग बैठक करेंगे और कोमोरोस, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण कोरिया, EU/EC, ब्राजील और नाइजीरिया के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगेः सूत्र

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे।

पत्रकारों के हितों और अधिकारों के संरक्षण के लिए तत्पर शिवराज सरकार

पवन कुमार जुनेजा

भोपाल। भोपाल में आयोजित पत्रकार समागम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की बड़ी घोषणाएं

- बीमा कंपनी द्वारा इस साल प्रीमियम राशि में की गई 27% की वृद्धि की अतिरिक्त राशि भरेगी राज्य सरकार।
- 65 वर्ष से अधिक आयु वाले पत्रकारों एवं उनकी पत्नी के बीमा का पूरा प्रीमियम राज्य सरकार भरेगी।
- बीमा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 सितम्बर से बढ़ाकर 25 सितम्बर हुई।
- पत्रकारों और उनके आश्रितों के उपचार हेतु मिलने वाली आर्थिक राशि में हुई वृद्धि ।
- सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि 20 हजार से बढ़ाकर की गई 40 हजार
- गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि 50 हजार से बढ़ाकर की 1 लाख।
- प्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को प्रतिमाह दी जाने वाली सम्मान निधि 10 हजार से बढ़कर हुई 20 हजार ।
- सम्मान निधि प्राप्त करने वाले पत्रकार के निधन पर उनकी पत्नी को मिलेगी एकमुश्त 8 लाख की सहायता राशि
- भोपाल के मालवीय नगर में बनेगा पत्रकार भवन, स्टेट मीडिया सेंटर के रूप में किया जाएगा।

भारत के अमीर व्यक्ति कहते है,

आप बंदर के सामने केले और बहुत सारे पैसे रखेंगे तो बंदर केले उठाएगा पैसे नहीं। क्योंकि वह नहीं जानता है कि पैसों से बहुत सारे केले खरीदे जा सकते हैं।

ठीक उसी प्रकार आज यदि वास्तविकता में भारत की जनता को निजी हित निजी स्वार्थ पूरे करने और राष्ट्रीय सुरक्षा में से किसी एक का विकल्प चयन करने का कहें तो वो निजी स्वार्थ ही चयन करेंगे। क्योंकि वो नहीं समझ पा रहे हैं कि राष्ट्र सुरक्षित नहीं रहा तो फिर निजी हितों की गठरी बाँध के कहाँ ले जाओगे?

आजकल तीन विरोधाभास ट्रेंड चल रहे हैं ------

पहलाः-

भारत एक गरीब देश है इसलिए बुलट ट्रैन नहीं चाहिए।

परन्तु,

भारत इतना अमीर है कि लाखों रोहिंग्याओं को पाल सकता है!

दूसराः-

मस्जिद की तरफ़ से देश के छप्पन बड़े महँगे वकील।

परन्तु,

मंदिर की तरफ से अकेले सुब्रामनयम स्वामी!!

तीसराः-

देश मे GST का विरोध दिखता है।

परन्तु,

जनसंख्या बढ़ने का विरोध कभी देखा???

चौथाः-

मज़ाक तो यह है कि 2 बच्चे वाले टैक्स देते हैं।

परन्तु,

दस-दस बच्चों वाले सब्सिडी लेते हैं!!!!

आपको उपरोक्त बातें नापसंद हो सकती है परन्तु, विचार करने योग्य अवश्य है!!!

एक और तथ्य

भारत महान था......वीरों की खान था।

फ़िर भी मुगलों का गुलाम था.....क्यों??....

क्योंकि एक हिंदु राजा निजी विरोध के कारण दूसरे हिंदू राजा से दूर खड़ा था और मुगलों का साथ देने पर अड़ा था

लाखों हिंदुओं को देखा हैं विरोध करते।

परन्तु,

कोई एक मुस्लिम बता दो जो ओवैसी का मुखर विरोध करता हो।

हिन्दू अपने पतन का कारण स्वयं ही है.....

थोड़ा सोचो और खुद को जोड़ो।

मुसलमानो ने हमेशा :-

मुर्गे से पहले सुबह उठकर चिल्लाना,

बकरे से भी बड़ी दाड़ी रखना,

सूअर से ज्यादा बच्चे पैदा करना।

सोच सोच का फर्क है खुद देखिये....

हिंदु ज्यादा धार्मिक हो तो सन्यासी बन जाता है.!!

मुसलमान ज्यादा धार्मिक हो तो जिहादी या आंतकी बन जाता है..!!

म्हाड़ी पर गुरु के प्रसाद वितरण के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ पर मधुमक्खियों का अटैक..

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मेरठ में मधुमक्खियों ने श्रद्धालुओं की भीड़ पर हमला बोल दिया। नाराज मधुमक्खियों का हमला इतना तेज था कि बुजुर्ग ललिता त्यागी की मौत हो गई। वहीं (18) लोग घायल हो गए। घटना पूजा समारोह में प्रसाद वितरण के दौरान हुई। जब प्रसाद वितरण के समय अचानक पेड़ पर बना मधुमक्खियों का छत्ता किसी तरह भीड़ से टच हो गया इसके बाद नाराज़ मधुमक्खियों ने जनता पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से जनता में भगदड़ मच गई। भगदड़ में महिला बुरी तरह घायल हुई। जिसे अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं लोग खुद को बचाने के लिए वहीं सड़क पर ही लेट गए।

प्रसाद वितरण के वक्त हुआ अटैक

मेरठ के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के खजूरी गांव में डॉ. अरुण त्यागी के यहां पूजन था। डॉ. अरुणा त्यागी का परिवार राजस्थान के बागड़ स्थित गोगा म्हाड़ी के लिए गया है। बुधवार को यहां जाने से पहले गांव के बाहरी क्षेत्र पर बने सम्राट मंडप के समीप पथवारी, अस्थाई म्हाड़ी, बनाकर गुरु गोरखनाथ की पूजा अर्जना की गई। उसके बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा था। तभी वहां पेड़ पर बने छत्ते से मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया।

महिला ने रास्ते में ही तोड़ा दम

मधुमक्खियों के डंक मारने से (60) वर्षीय ललिता त्यागी पत्नी प्रकाश चंद व निर्मला निवासी सिखेडा की मौत हो गई।

धुंआ करके मधुमक्खियों को भगाया

गांव के लोग गुरु का प्रसाद ले रहे थे। तभी अचानक मंडप के परिसर में खड़े पेड से मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया, जिस कारण भगदड़ मच गई। मधुमक्खियों के हमले से बचने को लोग सड़कों पर लेट गए। कई महिलाओं को मधुमक्खियों ने घेर लिया। उनके कान से अंदर तक मधुमक्खी घुस गई थी। तभी आसपास के लोगों ने धुआं कर मधुमक्खियों को भगा दिया।

ये हुए घायल

दो साल के शिवांश, एक साल के कृष्ण, डॉ. अरूण कुमार, सुमन देवी, ललिता त्यागी, विक्की, राहुल, अनमोल, अनुभव, प्रशांत, विक्रांत, राखी, हैप्पी भी बदहवास हो गए। सभी को पहले गांव में डाक्टरों से दवाई दिलाई। उसके बाद कुछ की हालत गंभीर होने पर मेरठ जिला

पाकिस्तान में बढ़ रही हिंदुओं की किडनैपिंग को लेकर प्रदर्शन, पुलिस ने चलाई लाठी

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं को किडनैप कर उनके परिवार से फिरौती मांगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसके खिलाफ हिंदू प्रदर्शन कर रहे हैं। सिंध में काशमोर जिले में 25 दिन पहले एक व्यापारी और उसके बच्चे को किडनैप कर लिया गया, इसके बाद परिवार से फिरौती मांगी गई। इस घटना के बाद बुधवार के दिन हिंदुओं ने यहां प्रदर्शन किया जिस पर पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए हैं।

पुलिस नहीं छुड़ा पाई व्यापारी और उसके बेटे को : पाकिस्तान के सिंध प्रांत की पुलिस 25 दिन पहले किडनैप हुए व्यापारी और उसके बेटे को किडनैपर्स से अभी तक नहीं छुड़ा पाई है। उधर इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं पर पुलिस लाठियां बरसा रही है। पुलिस की बर्बर कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें लोगो के सिर से खून बहता हुआ दिखाई दे रहा है।

पांच महीने में 100 से ज्यादा किडनैप : पाकिस्तान के सिंध प्रांत के पत्रकार बलाच दशती के अनुसार यहां पांच महीनों के अंदर करीब 100 से ज्यादा लोगों का अपहरण हुआ है। इसमें मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदाय के लोग शामिल हैं। सिंध के काशमोर जिले में हिंदू कारोबारी रहते हैं, इन पर डाकुओं की निगाह रहती हैं।

भारत से पाकिस्तान जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में आई कमी : पाकिस्तान के मंत्री अनीक अहमद की मानें तो द्विपक्षीय रिश्ते कमजोर होने की वजह से भारत से पाकिस्तान आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या घट गई है। दोनों देशों के बीच फिलहाल 1 हजार हिंदू और 7,500 सिख श्रद्धालुओं के पाकिस्तान आने को लेकर समझौता है। मंत्री अहमद का कहना है कि पाकिस्तान लगातार इन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने को लेकर कोशिश कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023